कोटद्वार, सोमवार
16 फरवरी 2026
वर्षः 48
अंकः 263 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नगेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

टिहरी के युवक का था चंद्रबनी नाले में मिला शव

देहरादून। पटेलनगर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत चंद्रबनी श्मशान घाट के पास नाले में शुक्रवार को मिले अज्ञात शव की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। मृतक की पहचान टिहरी निवासी 23 वर्षीय युवक के रूप में हुई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डूबने (फेफड़ों में पानी भरने) से मौत की पुष्टि हुई है। कोतवाली पटेलनगर के इंस्पेक्टर सीबीएस अधिकारी ने रविवार को बताया कि शव की शिनाख्त अंशुल रावत (23) निवासी ग्राम डांग, थाना कीर्तिनगर, जिला टिहरी के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया कि अंशुल रोजगार के सिलसिले में देहरादून में रह रहा था और चंद्रबनी स्थित बिडलास फैक्ट्री में बतौर लेबर (मजदूरी) काम करता था। शिनाख्त के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया। रिपोर्ट के अनुसार मृतक के फेफड़ों में पानी भरने के कारण उसकी मृत्यु हुई है। पुलिस ने एहतियात के तौर पर विसरा सुरक्षित रख लिया है। इंस्पेक्टर ने बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि युवक नाले तक कैसे पहुंचा। इस पर पुलिस जांच कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद परिजन अंशुल का शव अपने साथ ले गए।

सड़क हादसे में युवक की मौत

रुड़की। मस्जिद कट पर टैंपो ट्रेवल्स और बाइक की भिड़ंत में बाइक सवार 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। साथ ही परिजनों को भी मामले की जानकारी दे दी गई है। पुलिस के अनुसार, रविवार दोपहर कस्बे भगवानपुर में मस्जिद कट के समीप टैंपो ट्रेवल्स और बाइक की भिड़ंत हो गई। इसमें 18 वर्षीय बाइक सवार सिद्धार्थ निवासी नन्हेड़ा अनन्तपुर की मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को कब्जे में ले पंचनामा कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। साथ ही मामले की जानकारी युवक के परिजनों को दे दी गई है। युवक की मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। उप निरीक्षक प्रदीप चौहान ने बताया कि युवक के शव को कब्जे में ले पंचनामा कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

छोटा कैलाश में 1.50 लाख श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

नैनीताल। भीमताल ब्लॉक के पिनरो स्थित छोटा कैलाश में रविवार को महाशिवरात्रि के मौके पर डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की। सुबह मंदिर में विधि–विधान से भगवान शिव की आरती की गई। भक्तों ने मंदिर में भजन–कीर्तन का आयोजन किया। छोटा कैलाश में तीन दिवसीय महाशिवरात्रि मेला बीते शनिवार से शुरू हुआ था। सुबह से ही श्रद्धालु मंदिर पहुंचने लगे थे। सुबह मेले के उद्घाटन के बाद से ही मंदिर में भजन–कीर्तन शुरू हो गए थे। रातभर श्रद्धालुओं ने शिव भजन गाकर जागरण किया। मध्यरात्रि एक बजे से श्रद्धालु छोटा कैलाश मंदिर पहुंचने लगे। सभी ने एक–एक कर भगवान शिव का जलाभिषेक किया और पूजा अर्चना की। मंदिर समिति अध्यक्ष उमेश पलड़िया ने बताया कि रविवार को देर शाम तक डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। श्रद्धालुओं की अधिक संख्या को देखते हुए उन्हें एक–एक कर दर्शन करने भेजा।

गंगा में नहाते समय युवक की डूबने से मौत

हरिद्वार। ऊंचा पुल स्थित चौधरी चरण सिंह घाट पर रविवार दोपहर एक युवक गंगा में नहाते समय डूब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर चेतक पुलिस के कांस्टेबल बृजमोहन और पवन मौके पर पहुंचे। जल पुलिस की मदद से गोताखोरों के साथ खोज अभियान चलाया। युवक को गंगा से बाहर निकालकर जिला अस्पताल लाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान शिव शंकर (24) पुत्र दयापाल निवासी साईं नगर लोनार उन्नाव यूपी के रूप में हुई।

वह पंजाब में नौकरी करता था और हरिद्वार घूमने आया हुआ था। पुलिस ने उसके परिजनों को दूरभाष पर सूचित कर दिया है। इसके साथ ही, शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया।

युवाओं को प्रधानमंत्री के अनुशासित कार्य–संकल्प से प्रेरणा लेनी चाहिएः कोश्यारी

फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल का देहरादून में 61वें संस्करण का भव्य कार्यक्रम

देहरादून। देहरादून के ऐतिहासिक परेड ग्राउंड में रविवार को "फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल" के 61वें संस्करण का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। उत्तराखंड की धुंधली पहाड़ियों, सर्दियों की सुनहरी धूप और साल वृक्षों से घिरे वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम में फिटनेस, सामुदायिक सहभागिता और पर्यावरण जागरूकता का सशक्त संदेश दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ इंडिया, युवा एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार समेत अन्य सहयोगियों द्वारा किया गया। इस आयोजन में 1000 से अधिक साइकिल चालकों ने भाग लिया, जिनमें स्कूली छात्र, युवा, पेशेवर, वरिष्ठ नागरिक तथा फिटनेस प्रेमी शामिल रहे। पूरा परेड ग्राउंड ऊर्जा, संगीत और प्रेरणा से भर गया और दून घाटी एक जीवंत फिटनेस उत्सव में परिवर्तित हो गई। कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित खिलाड़ियों और फिटनेस आइकनों की प्रेरक उपस्थिति रही, जिनमें भारतीय बॉक्सिंग की उभरती हुई हेवीवेट खिलाड़ी नूपुर श्योराण, पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी गोलकीपर एवं कोच योगिता बाली, ओलंपियन रेस वॉकर मनीष सिंह रावत, अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित बास्केटबॉल खिलाड़ी विशेष भृगुवंशी तथा तेनजिंग नोर्गे नेशनल एडवेंचर अवॉर्ड से सम्मानित पर्वतारोही ताशी मलिक शामिल रहे। खिलाड़ियों ने प्रतिभागियों के साथ संवाद कर नियमित फिटनेस और अनुशासन के महत्व पर बल दिया। इस अवसर पर उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि "चाहे व्यक्ति खिलाड़ी हो या नहीं, उसमें खेल भावना अवश्य होनी चाहिए। यही भावना जीवन के हर क्षेत्र में सफलता दिलाती है।" श्री कोश्यारी ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली से सीख लें, जिन्होंने फिटनेस और अनुशासन को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाया है। "फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल" पहल की शुरुआत दिसंबर 2024 में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया द्वारा की गई थी, जो आज एक जनआंदोलन का रूप ले चुकी है।

देशभर में अब तक 2.5 लाख से अधिक स्थानों पर लगभग 25 लाख नागरिक इस पहल से जुड़ चुके हैं। यह अभियान जैसे महत्वपूर्ण विषयों को संबोधित करते हुए नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और कार्बन फुटप्रिंट कम करने के लिए प्रेरित करता है। प्रतिभागियों ने साइकिलिंग के साथ–साथ योग सत्र, वार्म–अप ड्रिल और सामुदायिक संवाद में भाग लिया, जिससे यह आयोजन एक समग्र स्वास्थ्य उत्सव बन गया।

भारत का ग्लोबल 'एआई दांव, महा–समिट में जुटेंगे 100 से ज्यादा देश, पाकिस्तान को नहीं दिया न्योता

नई दिल्ली, भारत तकनीक की दुनिया में एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 16 से 20 फरवरी 2026 तक प्रतिष्ठित 'एआई–इम्पैक्ट समिटझ् की मेजबानी करने जा रहा है। इस भव्य ग्लोबल आयोजन में 100 से अधिक देश हिस्सा ले रहे हैं, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की पॉलिसी, इनोवेशन, एथिक्स, सिक्योरिटी और ग्लोबल कोऑपरेशन जैसे गंभीर विषयों पर वैश्विक मंथन होगा। यह पूरा महासम्मेलन तीन मुख्य स्तंभों– 'लोग, पृथ्वी और प्रगति की थीम पर आधारित है। हालांकि, इस अंतरराष्ट्रीय मंच को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की है कि भारत ने इस अहम समिट के लिए पड़ोसी देश पाकिस्तान को आमंत्रित नहीं किया है, जिसने कूटनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है।

रणनीतिक आधार पर हुआ देशों का चयन

सूत्रों के मुताबिक, इस समिट में शामिल होने वाले मेहमान देशों का चुनाव बेहद रणनीतिक और नीतिगत मानकों को ध्यान में रखकर किया गया है। भारत का मुख्य फोकस उन देशों के साथ अपना सहयोग बढ़ाना है, जो एक जिम्मेदार, सुरक्षित और मानव–केंद्रित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास का साझा नजरिया रखते हैं। इस महासम्मेलन का दायरा सिर्फ तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके जरिए स्वास्थ्य, शिक्षा, जलवायु परिवर्तन और आर्थिक विकास जैसी बड़ी वैश्विक चुनौतियों का तकनीकी समाधान खोजने पर जोर दिया जाएगा।

भोलेनाथ के भक्तों के लिए गुड न्यूज

22 अप्रैल को खुलेंगे बाबा केदारनाथ धाम के कपाट

हरिद्वार, महाशिवरात्रि के अवसर पर भगवान शिव के भक्तों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। इस वर्ष बाबा केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल को श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिए जाएंगे। हर साल की तरह इस बार भी बड़ी संख्या में भक्तों के धाम पहुंचने की संभावना है।

जानकारी के अनुसार, 22 अप्रैल को सुबह 8 बजे वृष लग्न में कपाट खोले जाएंगे। कपाट खुलने की तिथि की घोषणा शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ में की गई।

इस वर्ष टी. गंगाधर लिंग को बाबा केदारनाथ धाम में मुख्य पुजारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा का शुभारंभ भी माना जाता है, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में खास उत्साह देखने को मिल रहा है।

महाशिवरात्रि पर्व : देशभर के शिव मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब

गूंजे 'हर–हर महादेव के जयकारे

वाराणसी, महाशिवरात्रि के पावन पर्व के साथ देशभर के मंदिर हर–हर महादेव के जयकारों से गूंज उठे हैं। भक्त ब्रह्म मुहूर्त से अपने आराध्य के दर्शन के लिए लाइनों में लगे हैं, लेकिन भारी भीड़ देखकर भी भक्तों का जोश कम नहीं हो रहा है। वाराणसी और देवघर में दर्शन के लिए सुबह से ही मंदिरों के बाहर लंबी लाइन लगी हैं। काशी विश्वनाथ में बाबा का मोरपंख के साथ शृंगार किया गया और पूरा परिसर ही हर–हर महादेव के जयकारों के उद्घोष से गूंज उठा है। महाशिवरात्रि के अवसर पर एसडीएम शंभू शरण ने कहा, काशी के लोगों में इस त्योहार को लेकर जबरदस्त उत्साह है। सुबह से ही श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के प्रांगण में लंबी कतारों में खड़े होकर प्रार्थना कर रहे हैं और दर्शन प्राप्त कर रहे हैं। अभी तक 40 हजार से ज्यादा श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं और भक्तों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए मेडिकल की सारी व्यवस्थाएं की गई हैं।मौके पर तैनात डीसीपी गौरव बंसवाल ने कहा, लाखों श्रद्धालु आ चुके हैं और उनके दर्शन की सुविधा के लिए व्यवस्था की गई है। भारी भीड़ के कारण, व्यवस्थित दर्शन सुनिश्चित करने के लिए कतारें बनाई गई हैं। घाटों पर बैरिकेड लगाए गए हैं और नावों से निगरानी की जा रही है। वहीं पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने कहा, यह महाशिवरात्रि का पवित्र त्योहार है और कल रात से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गई हैं। सभी पुलिस बल यहां तैनात हैं। मंदिर परिसर के चारों ओर बैरिकेड लगा दिए गए हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रक्रिया पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है कि किसी भी श्रद्धालु को कोई परेशानी न हो। निगरानी रखने के लिए 300 कैमरे लगाए गए हैं और दिन बढ़ने के साथ भीड़ बढ़ती जा रही है। ड्रोन की मदद से भी सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता बनाया गया है।

बाबा के दर्शन करने आए श्रद्धालु ने बताया, हम कल रात यहां पहुंचे और आधी रात के आसपास स्नान करने के बाद कतार में लग गए।

नैनीताल में छुट्टी मनाने पहुंचे पांच हजार से अधिक पर्यटक

नैनीताल। वीकेंड पर रविवार को नैनीताल में पर्यटकों की अच्छी खासी भीड़ उमड़ी। सुबह से शाम तक करीब पांच–पांच हजार से अधिक पर्यटक शहर के अलग–अलग पर्यटन स्थलों पर घूमते दिखे। वीकेंड में पर्यटकों की आमद बढ़ने से शहर में चहल–पहल बढ़ गई है। रविवार को नैनीताल समेत राजभवन, स्नोव्यू, केव गार्डन, हिमालय दर्शन, चिड़ियाघर, वाटर फॉल और हनुमानगढ़ी में पर्यटकों की भीड़ देखने को मिली। शहर की सड़कों पर भी जाम की स्थिति रही। माल रोड, बारापत्थर, भवाली रोड आदि में पर्यटकों के वाहनों की लंबी लाइन दिखी। बादलों के बीच खिली धूप में पर्यटक नौकायन का लुत्फ उठाते नजर आए। नाव चालक समिति के अध्यक्ष राम सिंह बिष्ट ने कहा कि शनिवार सुबह से ही पर्यटकों की भीड़ उमड़ रही है। कारोबार में भी वृद्धि हुई है। होटल एसोसिएशन नैनीताल के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट ने बताया कि वीकेंड में पर्यटन कारोबार बेहतर रहा। रविवार को शहर में पांच हजार से अधिक पर्यटक पहुंचे।

टी20 में भारत ने पाकिस्तान पर लगाया जीत का छक्का

कोलंबो में 61 रन से रौंदा, गेंदबाजों का बोलबाला

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान को 61 रन से हरा दिया। रविवार को टी20 विश्व कप 2026 का रोमांचक मुकाबला कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया। टॉस जीतकर पाकिस्तान ने भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। ईशान किशन की तूफानी अर्धशतकीय पारी की मदद से टीम इंडिया ने 20 ओवर में सात विकेट पर 175 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 18 ओवर में 10 विकेट पर 114 रन ही बना पाई। मौजूदा टूर्नामेंट में यह भारत की लगातार तीसरी जीत है। वहीं, इस जीत के साथ सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व वाली टीम ग्रुप ए की अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए सुपर–8 में पहुंच गई।

176 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत झटके के साथ हुई। शुरुआती दो ओवरों में ही उनके तीन विकेट गिर गए। पहले ओवर में हार्दिक पांड्या ने साहिबजादा फरहान को रिंकू सिंह के हाथों कैच कराया। वह खाता भी नहीं खोल पाए। इसके बाद पारी का दूसरा ओवर फेंकने आए बुमराह ने सईम अयूब (6) और कप्तान सलमान अली आगा (4) को पवेलियन की राह दिखाई। पाकिस्तान के लिए इस मैच में उस्मान खान ने सर्वाधिक 44 रनों की पारी खेली जबकि सात बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू पाए।

भारत के लिए हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती ने दो–दो विकेट लिए जबकि कुलदीप यादव और तिलक वर्मा ने एक–एक सफलता हासिल की।

सीएम धामी ने किया खटीमा सिविल न्यायालय में अधिवक्ताओं हेतु नव निर्मित चैम्बर का लोकार्पण

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर एक करोड़ की लागत से खटीमा सिविल न्यायालय में अधिवक्ताओं हेतु नव निर्मित चैम्बर का फीता काटकर व दीप प्रज्वालित कर लोकार्पण किया। कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए माननीय मुख्यमंत्री ने अधिवक्ताओं को महाशिवरात्रि पर्व व नए चैम्बर बनने की बधाई व शुभकामनायें दीं। उन्होंने कहा कि नया चैम्बर अधिवक्ताओं के लिए न्यायिक विमर्श व विधि अध्ययन का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा तथा न्यायिक कार्य सरलता से व त्वरित होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेर्तत्व न्याय व्यवस्था को और पारदर्शी बनाने हेतु कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे है। उन्होंने कहा कि खटीमा व खटीमा के आस पास से आने वाले अधिवक्ताओं के लिए व आम जन के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जो पुराने गैर जरूरी व अंग्रेजो के जमाने से चले आ रहे कानूनों को हटाकर वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 लागू करने का ऐतिहासिक काम किया है। जिससे न्यायिक व्यवस्था प्रभावी हो रही है, ई–कोर्ट्स प्रोजेक्ट, नेशनल ज्यूडिसियल डाटाक्रेट, फास्टट्रेक, स्पेशल कोर्ट, महिला एवं बाल अपराधों के लिए त्वरित न्याय तंत्र, ऑनलाइन के माध्यम से सुनवाई और डिजिटल केस मैनेजमेंट सिस्टम जैसी पहलों के द्वारा न्याय व्यवस्था को और अधिक तेज और सुगम बनाने की दिशा में क्रन्तिकारी परिवर्तन किये गए है। उन्होंने कहा की आज न्यायलयों में तकनीकी के प्रभावी उपयोग ने न केवल समय की बचत की है बल्कि प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाया है। जिससे न्याय प्रक्रिया पहले से अधिक विश्वसनीय वैज्ञानिक और प्रामाणिक बनी है।

माननीय मुख्यमंत्री ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के पश्चात देश भर में लगभग 7 हजार से अधिक कोर्ट का व 11 हजार आवासीय इकाइयों का निर्माण किया गया है, जो अपने आप में एक बहुत बड़ा रिकॉर्ड है।

बंगलूरू के पास भयानक सड़क हादसा, कार और बस की टक्कर में पांच युवकों की मौत

बंगलुरु। बंगलूरू के नेलमंगला में बस की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों की उम्र 17 से 22 साल तक बताई जा रही है। बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

यहां एक कार और कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की बस के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में पांच लोगों की जान चली गई। पुलिस ने बताया कि कार बंगलूरू की ओर जा रही थी। इस दौरान अचानक कार डिवाइडर से टकराकर दूसरी लेन में पहुंच गई, जिससे सामने से आ रही बस ने कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में सवार चार लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। एक अन्य घायल युवक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

केदारनाथ धाम के वरिष्ठ तीर्थपुरोहित श्रीनिवास पोस्ती का निधन

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के प्रमुख वरिष्ठ तीर्थपुरोहित, बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति के सदस्य एवं पूर्व केदारनाथ नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीनिवास पोस्ती (76) का गुप्तकाशी लंबगोंडी स्थित निवास पर हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वे शिवरात्रि के अवसर पर ओंकारेश्वर मंदिर में केदारनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि घोषणा के लिए दिल्ली से घर आए थे। उनकी अंत्येष्टि सोमवार को कुंड स्थित पैतृक घाट पर होगी। निधन से केदार घाटी, तीर्थपुरोहित समाज और श्रद्धालुओं में शोक की लहर है। प्रतिष्ठित पोस्ती परिवार से जुड़े श्रीनिवास पोस्ती दशकों तक धाम की परंपराओं, पूजा–अर्चना और तीर्थयात्रियों की सेवा में सक्रिय रहे। वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा के दौरान भी उन्होंने धाम की रक्षा और पुनर्निर्माण में भूमिका निभाई। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और नरेंद्र मोदी के साथ केदारनाथ प्रवास की स्मृतियों को साझा किया था तथा उनकी उपस्थिति में कई धार्मिक कार्यक्रम संपन्न कराए। वे गर्भगृह स्वर्ण मंडन सहित तीर्थपुरोहितों के अधिकारों और परंपराओं के संरक्षण के मुद्दों पर मुखर रहे और कपाट खुलने व अन्य धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते थे। उनके निधन पर केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल और बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने घर पहुंचकर शोक व्यक्त किया। मंदिर समिति के मुख्य कार्य अधिकारी विजय प्रकाश थपलियाल, उपाध्यक्ष विजय कप्रवाण, तीर्थ पुरोहित अध्यक्ष राजकुमार तिवारी, सदस्य प्रहलाद पुष्पवान, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप बगवाड़ी, प्रमुख पंकज शुक्ला, दायित्वधारी चंडी प्रसाद भट्ट, महिला आयोग उपाध्यक्ष ऐश्वर्या रावत, पूर्व प्रमुख ममता नौटियाल, सुबोध बगवाड़ी, आलोक बगवाड़ी और बचन सिंह पंवार सहित अनेक लोगों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

हिमाचल में दर्दनाक हादसा : 200 मीटर गहरी खाई में गिरी जीप

तीन दोस्तों की मौत, एक ही हालत गंभीर

थुनाग, शिवरात्रि महोत्सव की सुबह हिमाचल प्रदेश के सराज क्षेत्र में हुए एक भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है।

हादसा रविवार सुबह करीब चार बजे बूनालीधार के पास हुआ। चार दोस्त घर से जीप लेकर निकले थे, जो रास्ते में अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। जानकारी के अनुसार, जीप (एचपी65–5148) योगराज निवासी बगस्याड की थी। हादसे में योगराज के बेटे हार्दिक की भी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि चारों युवक बिना घरवालों को बताए तड़के घर से निकले थे। लंबाथाच–कलहणी सड़क पर बूनालीधार के समीप जीप करीब 200 मीटर गहरी खाई में गिर गई। गाड़ी गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। दो युवक गाड़ी के बाहर पड़े मिले, जबकि दो अंदर फंसे हुए थे। स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां दो युवकों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। तीसरे युवक ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि चौथे की हालत गंभीर बनी हुई है।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि शुरू में युवकों की पहचान करना भी मुश्किल हो रहा था। बताया जा रहा है कि सभी युवक आईटीआई के छात्र थे। थाना प्रभारी जंजैहली रामकृष्ण ने बताया कि पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

शंकराचार्य पर विवाद बढ़ा

वाराणसी, स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में शंकराचार्य वह होता है, जो सनातन धर्म के लिए काम करता है। सनातन धर्म का पहला विशेषण सत्य है, जो सच बोले, गौ माता की रक्षा करे और सनातन धर्म की रक्षा करे।

उत्तर प्रदेश विधानसभा में सीएम योगी के हर व्यक्ति शंकराचार्य नहीं हो सकता वाले बयान पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, (शंकराचार्य) कैसे होते हैं? वह बता दें। जिन्हें वह समझते हैं कि शंकराचार्य ऐसे होते हैं, तो वह स्पष्ट करें। क्या जो उनका समर्थन करे वही शंकराचार्य होगा? जो सनातन धर्म की बात करे, वह शंकराचार्य नहीं होता। यह कैसी परिभाषा लेकर आए हैं? ऐसी परिभाषा कभी नहीं रही।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 1 लाख करोड़ रुपए के शहरी चुनौती कोष को दी मंजूरी

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कल शहरी चुनौती कोष (यूसीएफ) को अनुमोदन प्रदान किया। इसके तहत कुल एक लाख करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता (सीए) दी जाएगी।

परियोजना लागत का 25 प्रतिशत हिस्सा केंद्रीय सहायता के रूप में दिया जाएगा, बशर्ते परियोजना लागत का न्यूनतम 50 प्रतिशत हिस्सा बाजार से जुटाया जाए। इससे अगले पांच वर्षों में शहरी क्षेत्र में कुल चार लाख करोड़ रुपए का निवेश होगा, जो अनुदान आधारित वित्तपोषण से हटकर बाजार से जुड़े, सुधार–उन्मुख और परिणाम–उन्मुख अवसंरचना निर्माण की ओर भारत के शहरी विकास दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है। शहरी चुनौती कोष उच्च गुणवत्ता वाले शहरी बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए बाजार वित्त, निजी भागीदारी और नागरिक–केंद्रित सुधारों का लाभ उठाएगा। इस कोष का उद्देश्य लचीले, उत्पादक, समावेशी और जलवायु–अनुकूल शहरों का निर्माण करना है ताकि ये शहर देश के आर्थिक विकास के अगले चरण के प्रमुख चालक बन सकें।

यह कोष वित्त वर्ष 2025–26 से वित्त वर्ष 2030–31 तक परिचालन में रहेगा, जिसकी कार्यान्वयन अवधि वित्त वर्ष 2033–34 तक बढ़ाई जा सकती है। परियोजना के लिए वित्त व्यवस्था का कम से कम 50 प्रतिशत हिस्सा बाजार स्रोतों से जुटाया जाना चाहिए, जिसमें नगरपालिका बांड, बैंक ऋण और सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) शामिल हैं।

सम्पादकीय

बाहरी लोगों की संख्या बढ़ना चिंता का विषय

बढ़ते हुए अपराधों को रोकने के लिए यह जरूरी है कि उसे क्षेत्र की डेमोग्राफी पर खास ध्यान दिया जाए। किसी भी क्षेत्र में एकाएक बाहरी लोगों की संख्या बढ़ना चिंता का विषय हो सकता है खासतौर से तब जब ऐसे लोगों में अपराधी प्रवृत्ति के लोगों की संख्या भी शामिल हो। उत्तराखंड की यह विडंबना रही है कि यहां समय पर एक सख्त भू कानून लागू नहीं किया गया जिस कारण प्रदेश का पूरा भौगोलिक ढांचा ही बिगड़ गया। भारी संख्या में बाहरी लोगों ने यहां जमीन खरीद कर अपने ठिकाने बना लिए जिससे यहां का जनसंख्या अनुपात भी प्रभावित हुआ। इधर पिछले कुछ समय में उत्तराखंड में अपराधों की बढ़ती संख्या ने पूरे पुलिस तंत्र को सकते में डाल दिया क्योंकि अधिकांश अपराधों में ऐसे लोगों की संख्या भी पाई गई जो उत्तराखंड के रहने वाले ही नहीं थे। इनमें ऐसे छात्रों की भी एक बड़ी संख्या है जो कहने को तो यहां विभिन्न प्रकार के कोर्स करने के लिए आए हैं लेकिन इन लोगों की उद्दंडता और अराजकता ने प्रदेश की सड़कों पर आतंक का माहौल बना दिया है। इधर राजधानी देहरादून में एक हत्याकांड में झारखंड के नामी हिस्ट्रीशीटर की हत्या के बाद तो बाहरी लोगों की भूमिका को लेकर सवाल ही खड़े हो गए और सवाल पुलिस की उस व्यवस्था पर भी उठने लगे जिसमें दावा किया जाता रहा की नियमित तौर पर बाहरी लोगों का सत्यापन किया जा रहा है। झारखंड के हिस्ट्रीशीटर विक्रम शर्मा की हत्या ने यह भी साबित किया कि पुलिस द्वारा चलाया जाने वाला सत्यापन का कार्य महज़ चंद्र बस्तियों और मोहल्ले तक ही सीमित है जबकि इसके ठीक विपरीत रसूखदार और बड़े अपराधी बिना किसी डर के उत्तराखंड को अपना ठिकाना बनाए हुए हैं। विक्रम हत्याकांड के बाद देहरादून में बैठा आल्हा अधिकारियों का पूरा कुनबा भी अब हरकत में आया है और पुलिस महानिदेशक द्वारा सत्यापन की इस औपचारिक कार्रवाई को वास्तविक धरातल पर व्यावहारिक तौर पर उतारने का फैसला लिया गया है। साफ शब्दों में कहें तो सत्यापन के इस काम को अब केवल खानापूर्ति नहीं बल्कि पुलिस के एक अनिवार्य और खास एक्शन के रूप में शामिल किया गया है जिसकी निगरानी के लिए डीएसपी स्तर का अधिकारी सीधे तौर पर जिम्मेदार होगा। इस काम में अब एसटीएफ को भी शामिल किया गया है। देखना तो बस अब यह है कि डीजीपी के इन आदेशों का वाकई में जनपद स्तर पर विभिन्न थाना क्षेत्र में असर दिखाई देगा या फिर कुछ दिनों बाद पूर्व के सत्यापन कार्यों की तरह ही यहां भी गोल–गोल कर पुलिस अपने पर्चे भरकर जिम्मेदारियां पूरी कर लेगी।

अब भी लाट साहेब ही रहेंगे

अजीत द्विवेदी

प्रदेशों की राजधानियों में अंग्रेजों के जमाने में बने और कई कई एकड़ में फैले विशाल भवनों को, जहां राज्यपाल रहते हैं, राजभवन कहा जाए या लोकभवन क्या फर्क पड़ता है? लोकभवन नाम रख देने से न तो उसमें रहने वालों की उपयोगिता बढ़ जाएगी और न उनका एटीट्यूड बदल जाएगा। वे अंग्रेज के जमाने में भी लाट साहेब थे और अब भी लाट साहेब ही रहेंगे। सजावटी और बिना मतलब का पद होने के बावजूद उनको वह प्रोटोकॉल मिलेगा, जो राज्य के चुने हुए मुख्यमंत्री को मिलता है। वे कई एकड़ में फैले भवनों में रहेंगे, सैकड़ों कर्मचारी उनकी सेवा करेंगे, उनको भारी भरकम सुरक्षा मिलेगी और वे बड़ी गाड़ियों में ढेर सारी गाड़ियों के काफिले के साथ सड़क पर निकलेंगे। इतना ही नहीं केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं के अलावा उनके लौह द्वार पर न तो कोई और दस्तक दे सकता है और न उनके दस्तक से आम लोगों के लिए लौह द्वार खुलता है।

पहले अपवाद के तौर पर होता था लेकिन अब यह नियम हो गया है कि लोकभवन में रहने वाला केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी की आंख से चीजों को देखेगा और उसकी कान से ही चीजों को सुनेगा। साथ ही यह भी अब मेनस्ट्रीम हो गया है कि वह संविधान से ज्यादा राजनीति को महत्व देगा। अगर राज्य में भाजपा विरोधी पार्टी की सरकार है तो लोकभवन में रहने वाले माननीय उसका जीना दूभर किए रहेंगे। उस राज्य में होने वाली हर छोटी बड़ी घटना कानून व्यवस्था के लिए खतरा दिखाई पड़ेगी और उसमें दखल देकर उसका मुद्दा बनाया जाएगा। उन राज्यों की विधानसभाओं से पास किए गए विधेयक अनावश्यक तरीके से रोके जाएंगे। पहले जो एक झीना सा परदा होता था अब उसे भी उतार दिया गया है। ऐसा लग रहा है कि राजभवन को लोकभवन बनाने का यह अनिवार्य नतीजा है कि उसमें रहने वाले लोग लोकनेता की तरह व्यवहार करेंगे और केंद्र में सत्तारूढ़ दल की आलोचना नहीं बरदाश्त करेंगे। इसलिए वे राज्य सरकारों की ओर से तैयार किए गए अभिभाषण नहीं पढ़ेंगे। इससे पहले कभी भी राज्यपालों की ऐसी राजनीति देखने को नहीं मिली थी।

एक के बाद एक तीन राज्यों में यह राजनीति देखने को मिली है। तमिलनाडु का नाम बदलने तक का प्रयास कर चुके राज्यपाल आरएन रवि वहां की विधानसभा की कार्यवाही का नियम बदलना चाहते हैं। तमिलनाडु विधानसभा के सत्र की कार्यवाही तमिल के प्रदेश गान से शुरू होती है और समापन राष्ट्रगान से होता है। पिछले चार साल से साल के पहले सत्र में राज्यपाल अभिभाषण नहीं पढ़ रहे हैं क्योंकि वे चाहते हैं कि कार्यवाही की शुरुआत राष्ट्रगान से हो। इस साल भी इसी नाम पर वे अभिभाषण पढ़े बगैर वापस चले गए। लेकिन अभिभाषण नहीं पढ़ने का एक कारण यह भी है कि तमिलनाडु सरकार के तैयार किए गए अभिभाषण में केंद्र सरकार के खिलाफ बहुत सारी बातें थीं। सो, केंद्र सरकार के खिलाफ कोई बात है तो वह कैसे राज्यपाल पढ़ सकते हैं!

केरल में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने यही काम किया है। उन्होंने अभिभाषण पढ़ा लेकिन पैराग्राफ नंबर 12 का शुरुआती हिस्सा छोड़ दिया, जिसमें केंद्र सरकार के ऊपर संघवाद के सिद्धांत का उल्लंघन करने और राज्य को आर्थिक व अन्य रूप से परेशान करने की बात थी। उन्होंने पैराग्राफ 15 का अंतिम हिस्सा भी नहीं पढ़ा क्योंकि उसमें राज्य विधानसभा से पास विधेयक बेवजह रोके जाने का जिक्र था।

ध्यान रहे पिछले और मौजूदा राज्यपाल दोनों ने कई विधेयक महीनों तक रोके रखा। तीसरे राज्यपाल थावरचंद गहलोत हैं। उन्होंने कर्नाटक विधानमंडल के इस साल के पहले सत्र की साझा कार्यवाही में अभिभाषण पढ़ने से इनकार कर दिया। राज्य के कानून व संसदीय कार्यमंत्री का कहना है कि 11 पैराग्राफ्स को लेकर राज्यपाल को आपत्ति थी। उन्होंने इन्हें हटाने के लिए कह दिया। सोचें, इससे पहले कब अभिभाषण को लेकर इस तरह की आपत्ति राज्यपाल जताते थे? यह न्यू इंडिया की पिछले 12 साल की परिघटना है कि राज्यपाल राज्य सरकार की ओर से तैयार अभिभाषण में नुक्स निकालेंगे, उसे पढ़ने से मना कर कर देंगे या मनमाने तरीके से कुछ हिस्सा पढ़ेंगे और कुछ छोड़ देंगे।

अब तक यह परंपरा रही है कि राज्यपाल राज्य सरकार की ओर से तैयार किए गए अभिभाषण को शब्दशः पढ़ेंगे। लेकिन इन दिनों राज्यपालों को भाजपा विरोधी पार्टियों की सरकारों की ओर से तैयार किए गए अभिभाषण पढ़ने में बहुत कष्ट हो रहा है क्योंकि उसमें खुद राज्यपालों की भूमिका की आलोचना होती है और केंद्र सरकार के कामकाज पर सवाल उठाए जाते हैं। तमिलनाडु के राज्यपाल कार्यालय ने उनके अभिभाषण नहीं पढ़ने का एक कारण यह भी बताया है कि उसमें 'आधे अधूरे दावे और गुमराह करने वाली बातें थीं। ध्यान रहे अभिभाषण चाहे राष्ट्रपति का हो या राज्यपालों का उसमें सरकारें अपनी उपलब्धियां ही बताती हैं वो सही हैं या गलत यह जांच करना राष्ट्रपति या राज्यपाल का काम नहीं होता है। पहले कोई भी इनकी जांच नहीं करता था। लंबे समय तक देश में कांग्रेस की सरकार रही लेकिन यह अपवाद के लिए ही कहीं देखने को मिला होगा कि राज्यों में कांग्रेस विरोधी सरकारों की ओर से तैयार अभिभाषण पढ़ने से किसी राज्यपाल ने इनकार किया हो या उसमें सुधार किया हो।लेकिन अब यह इतनी सामान्य परिघटना हो गई है कि भाजपा विरोधी शासन वाले राज्यों का हर राज्यपाल अभिभाषण में सुधार करवा रहा है या पढ़ने से इनकार कर रहा है या अधूरा पढ़ रहा है। विधानसभा से पास विधेयकों को लंबे समय तक रोके रखना भी एक सामान्य परिघटना हो गई है और कानून व्यवस्था के नाम पर सरकार के कामकाज में अड़ंगेबाजी या उसकी आलोचना भी एकदम सामान्य बात हो गई है। इससे एक गलत परंपरा की शुरुआत हो रही है। आगे जब केंद्र की सरकार बदली तब भी यह परंपरा जारी रहेगी और उससे राज्यों में स्थायी टकराव करी संभावना बनी रहेगी। इसलिए इसे रोका जावा चाहिए। ध्यान रहे देश में लंबे समय से इस बात की चर्चा होती रही है कि राज्यपाल का पद जरूरी है या नहीं। इसे चेक एंड बैलेंस के लिए बनाया गया था लेकिन राज्यपाल चेक एंड बैलेंस का काम सिर्फ उन्हीं प्रदेशों में करते हैं, जहां केंद्र सरकार की विरोधी पार्टी की सरकार होती है।

अजादी के बाद 78 साल का अनुभव यह बताता है कि राज्यपाल का पद होने से राज्य के कामकाज पर कोई गुणात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है। यह सिर्फ टकराव बढ़ाने के काम आता है। वैसे भी भारत में शासन की जो प्रणाली अपनाई गई है उसमें चुने हुए मुख्यमंत्री के ऊपर दबाव बनाने .या उसे काम करने से रोकने की कोई व्यवस्था नहीं होनी चाहिए। इसलिए इस बात पर सहमति रही है कि राज्यपालों को अधिकार नहीं मिलना चाहिए और उन्हें राजकाज में दखल से रोकना चाहिए। फिर भी अगर अभी राज्यपाल का पद नहीं समाप्त किया जाता है तो कम से कम अभिभाषण की प्रथा खत्म कर देनी चाहिए। यह एक तमाशा है, जिसकी कोई आवश्यकता नहीं। देश के एक विद्वान राष्ट्रपति आर वेंकटरमन ने इसके लिए बहुत प्रयास किया था। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्रियों राजीव गांधी और चंद्रशेखर दोनों को कई बार कहा कि संविधान के अनुच्छेद 87 और 176 में संशोधन करके राष्ट्रपति और राज्यपालों के अभिभाषण की व्यवस्था को समाप्त कर दिया जाए। आर वेंकटरमन के प्रयासों के 35 साल बाद अब यह अनिवार्य हो गया है कि ये दोनों अनुच्छेद बदले जाएं और अभिभाषण की व्यवस्था समाप्त हो।

शंकराचार्य मुद्दे पर सरकार का समर्थन

हरिशंकर व्यास

जिस समय मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू हुई या जिस समय अयोध्या का आंदोलन चला और साधु, संतों पर गोलियां चलीं उस समय सोशल मीडिया नहीं था, निजी टेलीविजन चैनल नहीं थे और अखबारों की पहुंच भी सीमित थी। इसलिए जिनको लड़ना पड़ा, सड़क पर उतर कर लड़ना पड़ा। आज मीडिया और सोशल मीडिया के जमाने में वही लड़ाई नैरेटिव के स्तर पो रही है। अगर इस फैक्टर को विश्लेषण में शामिल करें तो कह सकते हैं कि यूजीसी के नए नियमों और प्रयागराज के कुंभ मेले में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के साथ हुए बरताव पर वैसी ही या उससे ज्यादा प्रतिक्रिया हुई है, जैसी नब्बे के दशक में मंडल और कमंडल को लेकर हुई थी। उस समय प्रतिक्रिया सड़क पर दिख रही थी, जबकि अभी हर घर के ड्राइंगरूम में दिखी है। हर स्मार्टफोन और टेलीविजन सेट इस लड़ाई का अखाड़ा बना।

आज मीडिया और सोशल मीडिया के जमाने में वही लड़ाई नैरेटिव के स्तर पो रही है। अगर इस फैक्टर को विश्लेषण में शामिल करें तो कह सकते हैं कि यूजीसी के नए नियमों और प्रयागराज के कुंभ मेले में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के साथ हुए बरताव पर वैसी ही या उससे ज्यादा प्रतिक्रिया हुई है, जैसी नब्बे के दशक में मंडल और कमंडल को लेकर हुई थी। उस समय प्रतिक्रिया सड़क पर दिख रही थी, जबकि अभी हर घर के ड्राइंगरूम में दिखी है।

इन दोनों मुद्दों को लेकर वास्तविक यानी सड़क पर उतर कर भी लड़ाई हुई लेकिन ज्यादा बड़ी लडाई आभासी यानी वर्चुअल थी। उसको देखें तो कई बातें दिखती हैं। कई लोगों का मानना है कि यह सिर्फ संयोग है कि शंकराचार्य की घटना और यूजीसी के नियम एक ही समय में आए। वे इसको भी संयोग मान रहे हैं कि माघ मेले में शंकराचार्य पालकी लेकर गए, जिस पर टकराव हो गया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी आदत के मुताबिक अड़ गए, जिससे विवाद आगे बढ़ गया। ऐसे ही यूजीसी के नियम भी संयोग हैं। जान बूझकर जारी नहीं किए गए। यूजीसी के नियम पर सुप्रीम कोर्ट की रोक और शंकराचार्य को मना कर पूर्णिमा के दिन स्नान के लिए माघ मेले में लाने की खबर से इन घटनाओं को संयोग मानने वाले संतुष्ट हुए हैं।

एक दूसरी धारणा इनको प्रयोग मानने की है। माना जा रहा है कि ब्राह्मणवादी हिंदुत्व को कमजोर करने और बहुजन आधारित हिंदुत्व को मजबूत करने के प्रयोग के तौर पर ये दोनों काम हुए हैं। हिंदुत्व का चेहरा तो नरेंद्र मोदी, अमित शाह और योगी आदित्यनाथ है ही। अब इन्होंने कुछ ऐसा किया है, जिससे इधर उधर भाग रही पिछड़े, दलित और आदिवासियों को इनके चेहरे के ईर्द गिर्द गोलबंद किया जाए। अगडों को निशाना बना कर यह काम किया गया है। यह भी कहा जा रहा है कि भाजपा मान रही है कि अगड़ी जातियों के लोग मजबूरी में उसको वोट करेंगे इसलिए उनकी ज्यादा परवाह करने की जरुरत नहीं है। ध्यान रहे शंकराचार्य का पद ही ऐसा है, जो वेदपाठी, संस्कृत जानने वाले ब्राह्मण के लिए होता है।

शंकराचार्य ही शंकराचार्य नियुक्त करते हैं। बाकी कथावाचक कोई भी बन सकता है और महामंडलेश्वर का क्या है वह तो हिंदी सिनेमा की एक अभिनेत्री भी बन गई थी, जिसको अब हटाए जाने की खबर है। तभी चारों शंकराचार्यों के अलावा जितने भी कथावाचक, महामंडलेश्वर, योग गुरू, मठ, साधु, संत, मठ व धाम बनाने वाले लोग हैं उनमें से ज्यादातर ने शंकराचार्य वाले मुद्दे पर सरकार का समर्थन किया। वे शंकराचार्य को ही दोषी ठहराते रहे। रामदेव से लेकर रामभद्राचार्य तक ज्यादातर ने शंकराचार्य की ही गलती निकाली। इसका कारण यह है कि शंकराचार्यों को सत्ता के संरक्षण की जरुरत नहीं होती है, जबकि बाकी सब को सत्ता के संरक्षण में फलना फूलना होता है। वे हिंदुओं को धर्म या अध्यात्म की ओर नहीं ले जाते हैं, बल्कि भक्त बना कर भाजपा के समर्थन की ओर ले जाते हैं।

गंभीर आर्थिक चुनौतियां

सरकार ने विपक्ष से संवाद करते हुए राष्ट्र को भरोसे में लिया होता, तो संभवतः चीनी कंपनियों के लिए भारत के दरवाजे खोलने के मुद्दे पर उसे आलोचना नहीं झेलनी पड़ती। बहरहाल, सरकार चाहे तो अब भी यह रास्ता अपना सकती है।

हालांकि पुष्टि नहीं हुई है, मगर मीडिया में छपी कई ऐसी रिपोर्टों से देश में व्यग्रता देखी गई है कि केंद्र भारतीय बाजार को चीनी कंपनियों के लिए खोलने जा रहा है। कुछ खबरों के मुताबिक जिन क्षेत्रों को खोला जाएगा, उनमें सरकारी ठेके भी हैं। सरकारी क्षेत्र के ठेके हर वर्ष 700–750 बिलियन डॉलर के होते हैं। यह एक बड़ा बाजार है। कुछ अन्य खबरों में बताया गया है कि सरकार जरूरत के हिसाब से कदम उठाएगी और यह सुनिश्चित करेगी कि उसी अनुपात में चीन भी भारतीय उत्पादों के लिए अपना बाजार खोले। बहरहाल, यह मामला सिर्फ व्यापारिक नहीं है। इसीलिए कई हलकों से इन खबरों पर उग्र प्रतिक्रिया हुई है। कांग्रेस ने तो इसे गलवाल घाटी के शहीदों का अपमान बताया है। मुमकिन है कि ऐसी प्रतिक्रियाओं के पीछे सियासी मकसद भी हों, लेकिन भारत में मौजूद भावनाओं के मद्देनजर उन्हें बिल्कुल दरकिनार नहीं किया जा सकता। आखिर खुद नरेंद्र मोदी सरकार ने चीन कंपनियों पर प्रतिबंध अप्रैल 2020 के बाद से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बढ़े तनाव की पृष्ठभूमि में उठाया था। तब से चीन से कारोबार के प्रश्न को सत्ताधारी पार्टी और उसके समर्थकों ने भारतीय की राष्ट्रवादी भावनाओं से जोड़ा था। तब से भारत में दो तरह की धारणाएं रही हैं। एक राय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस घोषणा पर आधारित है कि 'भारत की सीमा में ना तो कोई घुसा और ना किसी ने भारत की जमीन पर कब्जा किया हैइ।

दूसरी राय उन खबरों पर आधारित है, जिनमें लगातार बताया गया है कि चीनी फौज लद्दाख क्षेत्र में भारतीय इलाकों में घुसी और वहां बफर जोन बनवा कर वापस लौटी। यानी भारत की पहुंच से बड़ा इलाका निकल गया। मोदी सरकार ने इस बारे में विपक्ष से संवाद करते हुए राष्ट्र को भरोसे में लिया होता, तो संभवतः चीनी कंपनियों के लिए भारत के दरवाजे खोलने के मुद्दे पर उसे आलोचना नहीं झेलनी पड़ती। बहरहाल, अब सरकार चाहे तो यह रास्ता अपना सकती है। बेहतर होगा अगर वह आज की गंभीर आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर इस कदम की जरूरत पर राष्ट्रीय आम सहमति तैयार करे।

एसएस राजामौली ने वाराणसी की रिलीज तारीख पर लगाई मुहर

प्रियंका चोपड़ा और महेश बाबू की बहुप्रतीक्षित फिल्म वाराणसी की रिलीज तारीख पर एसएस राजामौली ने आखिरकार अपनी मुहर लगा दी है। कथित 1300 करोड़ के बजट वाली यह फिल्म रिलीज की तारीख को लेकर खूब चर्चा बटोर रही थी। हाल ही में, राजामौली ने वाराणसी शहर में, जिसके नाम पर शीर्षक है, फिल्म के होर्डिंग्स भी लगवाए जिसके बाद चर्चाओं ने और जोर पकड़ लिया। अब फिल्म के नए पोस्टर के साथ रिलीज तारीख से पर्दा उठाया गया है। निर्माताओं ने एक्स पर वाराणसी का नया पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर में आसमान से धरती पर उल्का पिंडों को गिरते हुए दिखाया गया है जिससे ज्वालामुखी जैसी आग की लपटें निकल रही हैं। पोस्टर के साथ बताया गया है कि फिल्म 7 अप्रैल, 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के आधिकारिक शीर्षक का अनावरण नवंबर, 2025 को हैदराबाद में आयोजित ग्लोबट्रॉटर कार्यक्रम में किया गया था।

फिल्म में महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में नजर आने वाले हैं। इसके साथ ही पृथ्वीराज सुकुमारन और प्रकाश राज भी कहानी के अहम किरदार रहने वाले हैं। फिल्म की कहानी एक शिव भक्त की है जो एक रहस्यमयी मशन पर निकलता है और रास्ते में लगातार उसे क्लू मिलते हैं। लेकिन जैसे ही वो इस खोज के पड़ाव पार करता है तो पाता है कि इस मिशन के लिए उसे शैतान ने लगाया है और वह पूरी दुनिया पर राज करना चाहता है।

टी–20 विश्व कप 2026: माकी यानसन ने पहली बार लिया 4 विकेट हॉल

नईदिल्ली,15 फरवरी। टी–20 विश्व कप 2026 के 24वें मकाबले में दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर खिलाड़ी मार्को यानसन ने 4 विकेट चटकाए। ये उनके टी–20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला 4 विकेट हॉल रहा। उनकी शानदार गेंदबाजी के ही कारण न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम पहली पारी में 175/7 का स्कोर बना पाई। कीवी टीम का कोई भी बल्लेबाज अर्धशतक तक नहीं लगा पाया। ऐसे में आइए यानसन की गेंदबाजी और आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं। यानसन ने अपने कोटे के 4 ओवर में 40 रन खर्च कर के 4 विकेट लिए। उनकी इकॉनमी रेट 10 की रही। इस खिलाड़ी ने टिम सेफर्ट (13), फिन एलन (31), रचिन रविंद्र (13) और मार्क चैपमैन (48) को अपना शिकार बनाया। उन्होंने अपनी शानदार गेंदबाजी के दम पर न्यूजीलैंड के शीर्षक्रम को पूरी तरह से ध्वस्त कर के रख दिया। उनके अलावा लुंगी एनगिडी, केशव महाराज और कॉर्बिन बॉश को 1–1 सफलता मिली। यानसन ने टी–20 विश्व कप में अपना पहला मुकाबला साल 2024 में खेला था। अब तक इस खिलाड़ी ने 12 मुकाबले खेले हैं और इसकी 12 पारियों में 23.21 की औसत से 14 विकेट लेने में सफल रहे हैं।

जोस बटलर टी–20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 4,000 रन पूरे करने वाले इंग्लैंड के पहले बल्लेबाज बने

नईदिल्ली,टी–20 विश्व कप 2026 के 23वें मुकाबले में इंग्लैंड क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज जोस बटलर ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। स्कॉटलैंड के खिलाफ अपनी पारी का तीसरा रन बनाते ही उन्होंने टी–20 अंतरराष्ट्रीय करियर में 4,000 रन पूरे कर लिए। वह इंग्लैंड के लिए ये कारनामा करने वाले पहले बल्लेबाज बने हैं। दुनिया में उनके अलावा सिर्फ 3 और बल्लेबाजों ने यह उपलब्धि हासिल की है। बटलर मैच में सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हो गए।

बटलर से ज्यादा टी–20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रन विराट कोहली (4,188), रोहित शर्मा (4,231) और बाबर आजम (4,556) ने बनाए हैं। बटलर इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं। उनके बाद इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा रन पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन ने बनाए हैं। मोर्गन के बल्ले से 115 मैच की 107 पारियों में 28.58 की औसत से 2,458 रन निकले थे। उन्होंने 14 अर्धशतक भी जड़े थे। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 91 रन रहा था।

बटलर ने 2011 में भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ अपने टी–20 अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज किया था। वह अब तक 150 मैच की 138 पारियों में 35 से अधिक की औसत और 148 की स्ट्राइक रेट से 4,000 रन बना चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 28 अर्धशतकों के अलावा 1 शतक भी जड़ा है। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 101 रन का रहा है।

धुरंधर से सफलता के शिखर पर पहुंचे रणवीर सिंह

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म धुरंधर 2 में व्यस्त चल रहे हैं। दिसंबर, 2025 में आई धुरंधर की जबरदस्त सफलता के बाद सीक्वल को लेकर लोगों की उम्मीदें आसमान छू रही हैं। 19 मार्च को रिलीज हो रही इस फिल्म के लिए लोगों का क्रेज सोशल मीडिया पर देखने लायक है। इस बीच, रणवीर की एक और फिल्म अपने बजट को लेकर लोगों का ध्यान खींच रही है जिसका नाम प्रलय है। के मुताबिक, रणवीर अपनी अगली फिल्म प्रलय के लिए तैयार हो रहे हैं, जो एक हाई कॉन्सेप्ट जॉम्बी ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं। यह रणवीर की अब तक की सबसे महंगी फिल्म होगी, जिसका बजट कथित तौर पर 300 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। पिंकविला से बातचीत में सूत्र ने बताया, रणवीर ने एक बैकएंड प्रॉफिट शेयरिंग डील की है और स्क्रिप्ट डेवलपमेंट से लेकर वीएफएक्स योजना तक हर चरण में शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रलय की शूटिंग 2026 के मध्य में शुरू होने की उम्मीद है। धुरंधर की अपार सफलता के बाद फिल्म का बजट दर्शाता है कि निवेशक अभिनेता के नाम पर बड़ा निवेश करने के लिए उत्सुक हैं,

टॉक्सिक रिलीज से पहले हुई मालामाल, निर्माताओं ने 120 करोड़ में की डील पक्की

यश की फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन–अप्स 2026 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित यह 19 मार्च को रिलीज होगी। खबर है कि निर्माताओं ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में फिल्म के वितरण अधिकार हासिल करने के लिए बड़ा सौदा किया है, जिससे वह इसकी रिलीज से पहले मालामाल हो गए हैं। इसे अब तक की रिकॉर्ड तोड़ और ऐतिहासिक डील बताया जा रहा है।
केवीएन प्रोडक्शन और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स ने मिलकर दिल राजू के नेतृत्व वाली कंपनी एसवीसी सिनेमाज के साथ यह डील की है, जो 120 करोड़ रुपये में हुई है। इसे आधिकारिक तौर पर गैर–तेलुगु फिल्म के लिए अब तक के सबसे बड़े अधिग्रहणों में से एक बताया गया है, जो यश की पावर और फिल्म की उम्मीदों को दिखाती है। बता दें कि ब्लॉकबस्टर केजीएफ 2 देने के बाद, यश टॉक्सिक के साथ बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं।

सुदीप के शतक से संभली बंगाल की पारी, राहुल–पडिक्कल की सेंचुरी से कर्नाटक ने बनाया दबदबा

कोलकाता। आंध्र प्रदेश के विरुद्ध क्वॉर्टरफाइनल मैच में संकट के समय 299 रनों की जबरदस्त पारी खेलकर मैच जिताने वाले बंगाल के सुदीप कुमार घरामी जम्मू कश्मीर के विरुद्ध सेमीफाइनल में भी तारणहार की भूमिका निभा रहे हैं। उनके शानदार शतक (अविजित 136) की बदौलत बंगाल ने कल्याणी स्थित बंगाल क्रिकेट एकेडमी ग्राउंड में पहले दिन का खेल समाप्त होने तक पांच विकेट खोकर 249 रन बना लिए हैं।कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन ने सुदीप का साथ देते हुए 49 व शाहबाज अहमद ने 42 रनों की छोटी मगर उपयोगी पारियां खेलीं। बंगाल के एक समय 89 रन पर तीन विकेट गिर चुके थे। सुदीप ने बेहद संयमित बल्लेबाजी कर पारी को संभाला। उन्होंने 227 गेंदों का सामना कर 19 चौके व एक छक्का जड़ा। जम्मू कश्मीर के लिए पहले दिन आकिब नबी डार व सुनील कुमार ने दो–दो विकेट चटकाए।

उत्तराखंड ने किया कमाल

उत्तराखंड ने रणजी ट्रॉफी के वर्तमान सीजन में कमाल का प्रदर्शन किया और दिग्गज टीमों को पछाड़कर पहली बार सेमीफाइनल में जगह पक्की की, लेकिन नॉकआउट मुकाबले में स्टार भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल (141) और कप्तान देवदत्त पडिक्कल (नाबाद 148) के शतकीय प्रहार के सामने उसके गेंदबाजों की एक न चली। अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल में राहुल और पडिक्कल ने दूसरे विकेट के लिए रिकार्ड 278 रनों की साझेदारी कर न सिर्फ कर्नाटक को बेहद मजबूत स्थिति में पहुंचाया, बल्कि पहले दिन उत्तराखंड को विकेट के लिए तरसा दिया।

एक नजर

धर्म की रक्षा का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः विकासखंड कोट स्थित श्री डांडा नागराजा मंदिर परिसर में रविवार को भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में क्षेत्रभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय लोग शामिल हुए। इस दौरान कथा वाचक पं. गौरव जोशी ने हिंदुत्व और सनातन संस्कृति के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह डॉ. संजय ममगाईं ने संघ के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने समाज परिवर्तन से जुड़ी पांच प्रमुख गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संगठित और जागरूक समाज ही राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। कोट के खंड संघ चालक बिरेंद्र भट्ट ने सम्मेलन को समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में सार्थक पहल बताया। इस दौरान समिति के सदस्य एवं पौड़ी नगर कार्यवाह राकेश चमोली, अरूण चमोली आदि मौजूद रहे।

नगर पालिका में ईओ पद रिक्त, कार्य हो रहे प्रभावित

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः जिला व मंडल मुख्यालय होने के बावजूद नगर पालिका में पिछले छह माह से अधिशासी अधिकारी (ईओ) का पद रिक्त पड़ा है। नियमित ईओ की तैनाती नहीं होने से पालिका के वित्तीय, प्रशासनिक व विकास कार्यों पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। वर्तमान में नगर निगम श्रीनगर की सहायक नगर आयुक्त गायत्री बिष्ट ईओ का अतिरिक्त प्रभार संभाल रही हैं अगस्त 2025 में तत्कालीन ईओ शांति प्रसाद जोशी का तबादला हुआ था। इसके बाद नगर पालिका टिहरी के ईओ संजय कुमार को तैनाती पौड़ी में की गई, लेकिन उन्होंने अब तक पदभार ग्रहण नहीं किया है। 25 अगस्त 2025 से प्रभार व्यवस्था के तहत कामकाज संचालित हो रहा है।नियमित ईओ के अभाव में नई योजनाओं की डीपीआर तैयार करने, शासन से पत्राचार, कर्मचारियों की निगरानी, निरीक्षण और समस्याओं के त्वरित समाधान जैसे कार्य प्रभावित हो रहे हैं। पालिकाध्यक्ष हिमानी नेगी ने बताया कि नियमित ईओ की तैनाती को लेकर शासन स्तर पर लगातार पत्राचार किया जा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि एक सप्ताह के भीतर पौड़ी में नियमित ईओ की तैनाती हो जाएगी।

यूकेडी ने निकाली रैली, 70 सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान

चमोली। उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) ने रविवार को भाजपा और कांग्रेस पर प्रदेश के जल, जंगल और जमीन के मुद्दों को उलझाए रखने का आरोप लगाते हुए बाजार में रैली निकालकर जनसभा की। पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 70 सीटों पर चुनाव लड़ने और सरकार बनाने का दावा किया। यूकेडी युवा प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष आशीष नेगी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने परखाल तिराहे से मुख्य बाजार तक नारेबाजी करते हुए रैली निकाली। बस स्टैंड पर आयोजित सभा में नेगी ने कहा कि भाजपा और कांग्रेस ने बारी-बारी से प्रदेश में शासन किया लेकिन 25 वर्ष बाद भी स्थायी राजधानी का निर्णय नहीं हो पाया। उन्होंने आरोप लगाया कि पहाड़ी क्षेत्रों में डाकघरों तक में बाहरी राज्यों के कर्मियों की नियुक्ति की जा रही है व विकास के नाम पर शराब की दुकानें खोलकर युवाओं को नशे की ओर धकेला जा रहा है। प्रदेश में बढ़ती हत्याओं को उन्होंने लचर कानून व्यवस्था का परिणाम बताया। नेगी ने कहा कि यूकेडी सत्ता परिवर्तन के लिए सभी 70 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और सरकार बनाकर रोजगार के अवसर सृजित कर पलायन रोकने का काम करेगी। इस अवसर पर संगठन मंत्री जमन सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष माही चमोला, कुलदीप रावत, मनू नेगी और दर्शन रावत सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

15 दिवसीय एस्ट्रो गाइड प्रशिक्षण हुआ संपन्न

चमोली। पर्यटन विभाग के सौजन्य से एस्ट्रो विलेज बेनीताल में स्थानीय युवाओं को 15 दिवसीय एस्ट्रो गाइड प्रशिक्षण संपन्न हो गया है। प्रशिक्षण में स्टारस्केप एक्सपीरियंस कंपनी के माध्यम से युवाओं को एस्ट्रो फोटोग्राफी सहित अन्य खगोलीय गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

मास्टर ट्रेनर स्वेता ध्यानी ने बताया कि प्रशिक्षण में युवाओं को प्रयोगात्मक जानकारी भी दी गई। पर्यटन अधिकारी अरविंद गौड़ ने बताया कि बेनीताल में पर्यटन की अपार संभावना है। ऐसे में यहां के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए एस्ट्रो गाइड प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

गुमखाल-सतपुली के मध्य हाईवे पर आया मलबा, बंद हुआ यातायात

गुमखाल—सतपुली के मध्य सतपुली मल्ली के समीप हाईवे पर लुढका बोल्डर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः गुमखाल-सतपुली के मध्य राष्ट्रीय रजमार्ग पर चुनौतियां कम होने का नाम नहीं ले रही। हाईवे चौड़ीकरण के दौरान कई बार पहाड़ी से भारी मलबा हाईवे पर आ रहा है। रविवार को भी सतपुली मल्ली के समीप पहाड़ी से भारी बोल्डर हाईवे पर आ गया था। जिसके कारण मार्ग पर यातायात पूरी तरह बंद रहा। वाहनों को कांडाखाल—सिसल्डी से होते हुए आवागमन करना पड़ा।

गुमखाल-सतपुली के मध्य पिछले कई माह से हाईवे चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है। कार्य के दौरान हाईवे पर अव्यवस्थाएं बनी हुई हैं। कई बार हाईवे पर भारी बोल्डर गिर रहे हैं। रविवार दोपहर करीब 11 बजे सतपुली मल्ली के समीप भारी बोल्डर आ गया था। जिसके कारण हाईवे पर आवागमन बंद करना पड़ा। कुछ दिन पूर्व भी सतपुली मल्ली के समीप पहाड़ी से बोल्डर हाईवे पर गिर गया था। इसके कारण करीब नौ घंटे तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवागमन पूरी तरह बंद रहा।

हाईवे पर बोल्डर आने से वाहनों को कांडाखाल—सिसल्डी होते हुए आवागमन करना पड़ रहा है। इसके कारण सतपुली बाजार में भी लंबा जाम देखने को मिला। हालांकि, गुमखाल—सतपुली के मध्य बोल्डर को हटाने का कार्य चल रहा है।

शिव के जयकारों से गूंजे क्षेत्र के शिवालय

कोटद्वार के सिद्धबली मंदिर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में जलाभिषेक के लिए लाइन में खड़े भक्त

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः रविवार को शिवरात्री पर क्षेत्र के मंदिर शिव के जयकारों से गूंज उठे। भक्तों ने शिवलिंग पर जल अर्पित करते हुए भगवान शंकर से अपने परिवार के लिए सुख शांति की कामना की। मंदिरों में रूद्राभिषेक भी किया गया।

कोटद्वार क्षेत्र के मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ी हुई थी। बम—बम भोले के जयकारों के साथ भक्त देवालयों में पहुंचे और शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। कई मंदिरों में दोपहर बाद भी लोगों की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। जलाभिषेक के लिए मंदिरों में लंबी-लंबी लाइन लगी हुई थी। देवी मंदिर, बालाजी मंदिर, प्राचीन शिव मंदिर, दुर्गा मंदिर के साथ ही ताडकेश्वर महादेव मंदिर में भक्तों की सबसे अधिक भीड़ देखने को मिली। कई कांवडी जल लेकर हरिद्वार से देवालयों में पहुंचे हुए थे। जहां उन्होंने रूद्राभिषेक के साथ शिव को जल अर्पित किया। भक्तों ने शिव को बेलपत्र, धतूरा, फल—फूल व मिठाई अर्पित कर मन्नतें मांगीं। श्रद्धालुओं ने उपवास कर भगवान शिव से सुख-समृद्धि का आशीर्वाद लिया। शिवरात्री को लेकर सबसे अधिक उत्साह महिलाओं में बना हुआ था।

चारधाम यात्रा से पहले बीआरओ की सुस्ती बढ़ाएगी मुसीबत

उत्तरकाशी। गंगोत्री हाईवे पर गत वर्ष के मानसून सीजन में सक्रिय भूस्खलन जोन इस वर्ष भी चारधाम यात्रा में बड़ी मुसीबत बनेंगे लेकिन अभी तक इनके ट्रीटमेंट और गंगोत्री हाईवे की सुरक्षा के लिए किसी प्रकार के कार्य नहीं किए गए हैं।

चिन्यालीसौड़ से लेकर सोनगाड तक भूस्खलन जोन के साथ ही धंसी हुई सड़कें बड़ी मुसीबत बन सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दो माह बाद चारधाम यात्रा शुरू हो जाएगी। गत वर्ष की आपदा के दौरान चिन्यालीसौड़ से जनपद मुख्यालय तक धरासू, नालूपानी, शनि मंदिर के समीप नए भूस्खलन जोन सक्रिय हुए थे। साथ ही रतूड़ीसेरा में हालांकि बीआरओ की ओर से ट्रीटमेंट कार्य किया जा रहा है लेकिन उस पर धीमी गति से हो रहा कार्य दोबारा मुसीबत बन सकता है। वहां पर स्थिति यह है कि हल्की बारिश में भी मलबा और बोल्डर हाईवे पर गिर जाते हैं। साथ ही नए सक्रिय भूस्खलन जोन से बीआरओ की ओर से मात्र गंगोत्री हाईवे से मलबा हटाया गया लेकिन उस पर किसी प्रकार के सुरक्षात्मक कार्य नहीं किए गए। यही स्थिति जनपद मुख्यालय से सोनगाड तक बनी हुई है। इस बीच में कई वर्षों से नासूर बना नेताला भूस्खलन जोन के साथ ही ओंगी सहित डबरानी के समीप सक्रिय नए भूस्खलन जोन खतरा बनेंगे। साथ ही भटवाड़ी में दो स्थानों पर हाईवे का करीब 100 से 150 मीटर हिस्सा धंस गया था। वहीं, नाग मंदिर के समीप आपदा में बहे पुल के स्थान पर वैली ब्रिज तो बना लेकिन उसके आसपास क्षतिग्रस्त सड़क भी दुर्घटना को न्योता दे रही है।

इंतजार खत्म, अस्पताल को मिली अल्ट्रासाउंड मशीन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः लगभग एक वर्ष के इंतजार के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अल्ट्रासाउंड जांच सुविधा दोबारा शुरू होने जा रही है। मशीन स्थापित होने से आसपास के 100 से अधिक गांवों के लोगों को अब स्थानीय स्तर पर ही जांच सुविधा मिल सकेगी।पहले यह सेवा महंत इंद्रेश अस्पताल की ओर से पीपीपी मोड पर संचालित की जा रही थी लेकिन अनुबंध समाप्त होने के बाद क्षेत्रवासी महत्वपूर्ण सुविधा से वंचित हो गए थे। मशीन बंद होने से गर्भवती महिलाओं और अन्य मरीजों को जांच के लिए पौड़ी मुख्यालय या अन्य शहरों का रुख करना पड़ता था। पूर्व ब्लॉक प्रमुख डॉ. रजनी रावत ने कहा कि अल्ट्रासाउंड सेवा पुनः शुरू होने से विशेषकर गर्भवती महिलाओं को बड़ी राहत मिलेगी। सीएचसी प्रभारी डॉ. पंकज ने बताया कि प्रत्येक शुक्रवार को अल्ट्रासाउंड जांच की जाएगी।

व्यवसायिक वाहनों की आवाजाही के लिए भी खुले मार्गः रंजना

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः कांग्रेस की पूर्व प्रदेश महामंत्री रंजना रावत ने कहा कि लालढंग-चिलरखाल मोटर मार्ग निर्माण क्षेत्र के विकास के लिए अति महत्वपूर्ण है। मार्ग निर्माण के लिए जनता पिछले कई माह से आंदोलन कर रही है। कहा कि न्यायालय के आदेश के बाद मार्ग निर्माण का कार्य धरातल पर जल्द से जल्द शुरु किया जाना चाहिए। साथ ही मार्ग को व्यवसायिक वाहनों के लिए भी खोला जाना चाहिए।

कोटद्वार मालवीय उद्यान स्थित कार्यालय में पत्रकार वार्ता करती कांग्रेस पार्टी की पूर्व प्रदेश महामंत्री रंजना रावत

रविवार को रंजना रावत ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि मार्ग निर्माण को लेकर न्यायालय का आदेश स्वागत योग्य है। कहा कि न्यायालय से जनता के पक्ष में आदेश जनता की जीत है। कहा कि अब मार्ग निर्माण की जिम्मेदारी सरकार पर है। कांग्रेस पार्टी मोटर मार्ग पर लीपा पोती को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। कहा कि उक्त मोटर मार्ग को व्यावसायिक वाहनों के लिए खोला जाना जरूरी है। बगैर व्यावसायिक वाहनों के संचालन के लिए मोटर मार्ग का कोई औचित्य नहीं है। कहा कि कांग्रेस पार्टी लबे समय से गढ़वाल कुमाऊं मंडल को जोड़ने वाली कंडी मार्ग के भी निर्माण करवाए जाने का पक्षधर रही है, जिसके लेकर कोटद्वार सहित रामनगर के सामाजिक संगठनों ने भी आंदोलन किए है। उन्होंने लालढांग—चिलरखाल मोटर मार्ग के साथ ही कंडी मार्ग को भी खोलने की मांग उठाई। कहा कि गढ़वाल व कुमाऊके विकास के लिए उक्त मार्ग का खुलना आवश्यक है। इसके लिए सरकार को गंभीरता से कार्य करना चाहिए। इस मौके पर बलवीर सिंह रावत, रमेश चंद्र खंतवाल, प्रेम सिंह पयाल, बीरेंद्र सिंह रावत मौजूद रहे।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर 20 का चालान किया

चमोली। सड़क सुरक्षा अभियान के तहत परिवहन विभाग ने कर्णप्रयाग, सिमली, कालेश्वर और नंदप्रयाग—नंदानगर मोटर मार्ग पर वाहनों की चेकिंग की। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी अभिषेक भटगांई ने बताया कि वाहनों के ओवर लोडिंग, ओवर स्पीड, फिटनेस, बीमा और प्रदूषण प्रमाण पत्र नहीं होने चालकों के सीट बेल्ट, हेलमेट नहीं पहनने, दो पहिया वाहनों में ट्रिपल राइडिंग आदि यातायात के नियमों की अवहेलना करने पर 20 चालान किए गए हैं। और इनसे 41 हजार रुपये का अर्थ दंड वसूला गया है।

नशा सामाजिक बुराई, एकजुट हो लोग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत टीसीजी पब्लिक स्कूल में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों व अन्य लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। वक्ताओं ने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है। इसके खिलाफ सभी को एकजुट होना होगा। इस दौरान साइबर अपराध सहित अन्य जानकारी भी दी गई।विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यशाला में विद्यार्थियों के साथ ही विभिन्न संगठनों के सदस्यों ने भी भाग लिया। पुलिस ने युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। कहा कि नशे के कारण कई परिवार बर्बादी की कगार पर पहुंच गए हैं। ऐसे में समाज को नशमुक्त बनाने के लिए युवाओं को आगे बढ़कर कार्य करना चाहिए। शहर में कहीं भी अवैध नशे की बिक्री होने पर इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। कार्यशाला में मानव तस्करी, भिक्षावृत्ति, वेश्यवृत्ति, महिला अपराध के साथ ही साइबर अपराध के प्रति भी जागरूक किया गया। साथ ही युवाओं को सोच समझकर इंटरनेट का उपयोग करने की सीख दी गई। कहा कि वर्तमान में साइबर अपराध लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में जागरूकता ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। कार्यशाला में जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की भी अपील की गई।

` टीसीजी स्कूल में बच्चों को जानकारी देते विशेषज्ञ

जेवरों की सफाई के नाम पर ठगी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः देवी रोड में जेवरों की सफाई के नाम पर एक महिला से ठगी की गई। मामले में पीडित महिला की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई। तहरीर के आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस को दी गई तहरीर में देवी रोड निवासी सोनम ने बताया कि बीती छह फरवरी को दो व्यक्ति उनके घर पर आए। वे स्वयं को बर्तन चमकाने वाला बता रहे थे। बताया कि उन्होंने घर में रखे दो तांबे के लोटे चमकाए व उसके बाद सोने-चांदी के जेवर चमकाने की बात कहने लगे। बताया कि उनकी बातों पर भरोसा कर उन्होंने उन्हें एक अंगूठी व पायल सफाई को दी, जिसकी सफाई कर उन्होंने वापस कर दी। इसके बाद उन्होंने अपनी सास की सोने की चेन व एक अंगूठी सफाई को दी। उन्होंने दोनों जेवरों पर लिक्विड लगाकर पंद्रह मिनट के लिए फ्रिज में रखने को कहा और चले गए। बताया कि कुछ समय बाद जब उन्होंने पैकेट खोलकर देखा तो उसमें चेन व अंगूठी नहीं थे।

सुविधा कम मुसीबत अधिक बना है डोबरा—लंबगांव मोटर मार्ग

नई टिहरी, प्रतापनगर क्षेत्र की लाइफ लाइन कहे जाने वाले डोबरा—लंबगांव मोटर मार्ग की सेहत सुधारने में लोनिवि प्रांतीय खंड बौराड़ी नाकाम साबित हो रहा है। डोबरा से लेकर मोटणा तक सड़क की सबसे अधिक खस्ताहाल स्थिति बनी है जो दुर्घटनाओं को न्योता दे रहा है। डोबरा से मोटणा तक आठ किमी सड़क पर जगह—जगह पुश्ते क्षतिग्रस्त हैं। हर दो कदम पर गड्ढों की भरमार है। जिला मुख्यालय से प्रतापनगर ब्लॉक क्षेत्र के दर्जनों गांवों को जोड़ने वाला डोबरा—चांठी—लंबगांव मोटर मार्ग क्षेत्र के लोगों को सुविधा कम मुसीबत अधिक बना हुआ है। इस मार्ग पर प्रतिदिन सैकड़ों वाहनों का आवागमन होता है। लेकिन सड़क की स्थिति खस्ताहाल बनी हुई है। सबसे खराब स्थिति डोबरा से मोटणा के बीच आठ किमी परिधि में बनी हुई है। बीते अगस्त और सितंबर माह में आपदा से सड़क के जो पुश्ते क्षतिग्रस्त हुए थे उनकी मरम्मत तक नहीं हो पाई। डामरीकरण के अभाव में हर दो कदम पर बड़े—बड़े गड्ढे बन गए है। गड्ढों में दोपहिया वाहनों का संचालन मुश्किल से हो रहा है। दोपहिया वाहन सवारों को जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ रहा है। पुश्तों और गड्ढों की मरम्मत न होने से धूल मिट्टी इतनी उड़ रही है आगे पीछे चलने वाहन स्पष्ट नहीं दिखाई दे रहे है। जिससे दुर्घटना का भय बना रहता है। स्थानीय लोग लंबे समय से सड़क मरम्मत की मांग करते आ रहे है, लेकिन कार्यदायी संस्था लोनिवि प्रांतीय खंड बौराड़ी समस्या का समाधान नहीं कर पा रहा है। जिससे स्थानीय लोगों में शासन—प्रशासन के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

यूकेडी ने निकाली रैली, 70 सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान

चमोली। उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) ने रविवार को भाजपा और कांग्रेस पर प्रदेश के जल, जंगल और जमीन के मुद्दों को उलझाए रखने का आरोप लगाते हुए बाजार में रैली निकालकर जनसभा की। पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 70 सीटों पर चुनाव लड़ने और सरकार बनाने का दावा किया। यूकेडी युवा प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष आशीष नेगी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने परखाल तिराहे से मुख्य बाजार तक नारेबाजी करते हुए रैली निकाली। बस स्टैंड पर आयोजित सभा में नेगी ने कहा कि भाजपा और कांग्रेस ने बारी—बारी से प्रदेश में शासन किया लेकिन 25 वर्ष बाद भी स्थायी राजधानी का निर्णय नहीं हो पाया। उन्होंने आरोप लगाया कि पहाड़ी क्षेत्रों में डाकघरों तक में बाहरी राज्यों के कर्मियों की नियुक्ति की जा रही है व विकास के नाम पर शराब की दुकानें खोलकर युवाओं को नशे की ओर धकेला जा रहा है। प्रदेश में बढ़ती हत्याओं को उन्होंने लचर कानून व्यवस्था का परिणाम बताया। नेगी ने कहा कि यूकेडी सत्ता परिवर्तन के लिए सभी 70 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और सरकार बनाकर रोजगार के अवसर सृजित कर पलायन रोकने का काम करेगी।

शिव मंदिरों में गूंजे बम—बम भोले के जयकारे

चमोली। रविवार को महा शिवरात्रि के पावन पर्व पर क्षेत्र के शिव मंदिरों में महादेव के जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस दौरान शिव मंदिर बम—बम भोले के जयकारों से गुंजायमान रहे। कर्णप्रयाग के संगम तट शिव मंदिर, उमा माहेश्वर आश्रम, टटेश्वर महादेव मंदिर डिम्मर, जलेश्वर महादेव मंदिर, शैलेश्वर महादेव मंदिर बैनोली, छांतेश्वर महादेव मंदिर कंडारा, बगलेश्वर महादेव मंदिर बगोली, गौचर के शिव मंदिर पनांई आदिबदरी के आकाश मुखी शिव मंदिर, औंकारेश्वर नाथ मंदिर, गैरसैंण के शिव मंदिरों, नारायणबगड़ के महामृत्युंजय महादेव मंदिर, लव कुश महादेव मंदिर तथा थराली और देवाल के शिव मंदिरों में सुबह से श्रद्धालुओं ने महादेव का पंचद्रव्यों से अभिषेक और बेलपत्र अर्पित कर सुख—समृद्वि की प्रार्थना की।

वेदों के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः तीन दिवसीय ऋषि दयानंद जन्म एवं बोध उत्सव का रविवार को समापन हो गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने यज्ञ में पूर्णाहुति डालते हुए बेहतर वेदों के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

अतिम दिन वैदिक मंत्रों के साथ यज्ञ किया गया। इस मौके पर खतौनी से पहुंचे भजनोपदेशक भूपेंद्र आर्य ने विभिन्न भजनों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य पवक्ता बिजनौर से पहुंचे आचार्य विष्णु मित्र ने लोगों को सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पंच महायज्ञों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। साथ ही लोगों को वेदों के अनुसार जीवन जीने के लिए भी प्रेरित किया। कहा कि वेद हमें हर जरूरतमंद की मदद की सीख देते हैं। हमें अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा देनी चाहिए। मनुष्य के सर्वांगीण विकास के लिए ज्ञान होना आवश्यक है। इस मौके पर आनंद आर्य, हिमांशु, भरत लाल, नरेंद्र चौहान, मंजू ग्रोवर, मीना अग्रवाल, आशुतोष, राजेंद्र ग्रोवर, पियूष, प्रभु दयाल, वरूण, सुखदेव आदि मौजूद रहे।

आयोजित कार्यक्रम के दौरान यज्ञ में आहुति डालते लोग

छह स्वर्ण सहित 17 पदकों के साथ टॉप पर रहा हिमाचल

चमोली। औली में आयोजित राष्ट्रीय शीतकालीन चैंपियनशिप की सभी प्रतियोगिताएं संपन्न हो गई हैं। तीन दिनों तक चली प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश 6 स्वर्ण सहित कुल 17 पदक जीतकर समग्र चैंपियन बना, जबकि आर्मी की टीम 3 स्वर्ण और कुल 12 पदकों के साथ द्वितीय स्थान पर रही।

प्रतियोगिता का समापन सोमवार को पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा। रविवार को अंतिम मुकाबलों में भी हिमाचल की टीम ने दबदबा बनाए रखते हुए तीसरे दिन 3 स्वर्ण सहित कुल 8 पदक जीते।

आर्मी टीम ने अंतिम दिन 2 स्वर्ण सहित 7 पदक अपने नाम किए। उत्तराखंड और जम्मू—कश्मीर ने अंतिम दिन एक—एक स्वर्ण पदक जीता। पूरी प्रतियोगिता में उत्तराखंड और जम्मू—कश्मीर के खाते में कुल 3—3 पदक आए, जबकि महाराष्ट्र ने 1 पदक हासिल किया। देश के विभिन्न हिस्सों से आए खिलाड़ियों ने औली की बर्फीली ढलानों पर तीन दिनों तक उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

आयोजन के दौरान रेस ऑफिस के विजयंत रावत और विक्रम फरस्वाण, गढ़वाल मंडल विकास निगम (जीएमवीएन) के प्रदीप मंद्रवाल, प्रीती डिमरी, वंदना पंवार, विंटर गेम्स एसोसिएशन के सचिव राकेश रंजन भिलंगवाल, सह सचिव अजय भट्ट, कोच विकेश डिमरी, विमलेश पंवार और राजीव मेहता सहित अन्य मौजूद रहे।

17 टीमों के 250 से अधिक ने किया प्रतिभाग

– विंटर गेम्स एसोसिएशन के अध्यक्ष हर्षमणि व्यास ने कहा कि प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों, सेना, आईटीबीपी की कुल 17 टीमों के 250 से अधिक खिलाड़ियों ने अपना दमखम दिखाया। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने विजेता खिलाड़ियों के लिए नगद पुरस्कार की व्यवस्था की है, जो खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन व खेलों के प्रति उनके समर्पण को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी।

कंडीसौड़ में सीवर लाइन बिछाने का प्रस्ताव पारित

उत्तरकाशी। चंबा—धरासू हाईवे पर बसे कंडीसौड़ बाजार में सीवर लाइन बिछाने का प्रस्ताव बैठक पारित किया गया। सीवरेज सिस्टम न होने से चारधाम यात्रा के दौरान बाजार में गंदगी की समस्या बनी रहती है। कंडीसौड़ के ग्राम प्रधान सुमन सिंह गुसाईं की अध्यक्षता में हुई बैठक कंडीसौड़ में सिवर लाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति पारित किया गया। ग्राम प्रधान गुसाईं ने बताया कि होटलों और घरों से शौचालयों की निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण व्यावसायिक लोगों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। समस्या समाधान के लिए सीवर लाइन के निर्माण पर सभी ने सहमति जताई। कहा कि कंडीसौड़ बाजार को साफ और स्वच्छ बनाएं रखने के लिए सीवरेज सिस्टम जरूरी है। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस संबंध में शीघ्र क्षेत्रीय विधायक को पत्र देकर अवगत करवाया जाएगा। साथ ही उक्त प्रस्ताव को तैयार कर जिला योजना में शामिल करने के लिए जिलाधिकारी से आग्रह किया जाएगा। बैठक में उपस्थित ग्राम विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह राणा ने कहा स्वच्छता के क्षेत्र में ग्राम पंचायत यह अच्छी पहल है।

मांडो गदेरे में सुरक्षात्मक कार्यों पर उठे सवाल

उत्तरकाशी। मांडो गांव के गदेरे में सिंचाई विभाग की ओर से किए गए सुरक्षात्मक कार्यों पर स्थानीय लोगों ने नाराजगी व्यक्त की है। ग्रामीणों का कहना है कि वहां पर मात्र दो से तीन फीट की वायरक्रेट दीवार लगाकर इतिश्री कर दिया गया है।

साथ ही विभाग की ओर से गदेरे में पड़े मलबे को चैनालाइज करने का दावा किया जा रहा है लेकिन वहां पर मलबा अभी भी उसी तरह पसरा हुआ है।

मांडो गांव के नरेंद्र चौहान, रविंद्र गुसाईं, प्रीतम चौहान, इंद्रेश उनियाल ने कहा कि वर्ष 2021 में मांडो गदेरे में आई आपदा के कारण तीन लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। साथ ही गांव के कई घरों को अभी भी खतरा बना हुआ है। उसके बाद सिंचाई विभाग की ओर से वहां पर सुरक्षात्मक कार्य किए गए लेकिन वह भी पूरी सुरक्षा नहीं दे पाए। ग्रामीणों की मांग के बाद अब प्रशासन की ओर से सिंचाई और लघु सिंचाई विभाग को वहां पर सुरक्षात्मक कार्य और गदेरे में हौज बनाने की जिम्मेदारी दी गई है। सिंचाई विभाग की ओर से वहां पर कुछ दिन पूर्व चैनालाइज का कार्य और करीब सात लाख की लागत से वायरक्रेट दीवार लगाने का कार्य किया गया लेकिन उसमें मात्र 20 से तीस मीटर लंबी दीवारों के साथ की करीब तीन फीट ऊंची दीवार लगाई गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि वहां पर मलबा अभी भी पड़ा हुआ है। वह कभी भी बरसात में खतरा बना सकता है। हल्की सी बरसात में वह सड़क पर बहने के बाद घरों में मलबा घुसता रहता है। साथ ही जो दीवारें लगाई गई हैं, उनसे मानसून में किसी भी प्रकार की सुरक्षा नहीं हो सकती है। सिंचाई विभाग के अवर अभियंता गौरव बहुगुणा ने बताया कि अभी वहां पर 20 वायरक्रेट दीवार ओर लगनी है। किसी विवाद के कारण कार्य रुका हुआ है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने हाईस्कूल की मुख्य परीक्षा सन् 2006 में अनुक्रमांक 0063151 से कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय कपरोली, जिला पौड़ी गढ़वाल से संस्थागत परीक्षार्थी के रूप में उत्तीर्ण की। मेरी हाईस्कूल का अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र वास्तव में खो गये है। जो काफी खोजबीन के बावजूद भी नहीं मिले।

सुरजीत सिंह पुत्र श्री राजे सिंह निवासी ग्राम कपरोली, पट्टी चोपडाकोट, तहसील थलीसैंण, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

संक्षिप्त समाचार

प्रदर्शनों के दौरान आमजन–स्कूली छात्र प्रभावित न हों: एसएसपी

देहरादून। राजधानी देहरादून की यातायात व्यवस्था को पटरी पर लाने और धरना–प्रदर्शनों के दौरान लगने वाले जाम से जनता को निजात दिलाने के लिए नवनियुक्त एसएसपी प्रेमेंद्र डोबाल ने तैयार की है। रविवार को एसएसपी ने खुद ग्राउंड जीरो पर उतरकर उन मार्गों का निरीक्षण किया, जो रैलियों और प्रदर्शनों के कारण अक्सर प्रभावित रहते हैं। एसएसपी ने इस दौरान उन स्थलों का जायजा लिया जहां बैरिकेडिंग की जाती है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि सुरक्षा व्यवस्था ऐसी हो जिससे स्कूली बच्चों और आम जनता को कम से कम असुविधा हो। उन्होंने निर्देश दिए कि यदि किसी रूट को डायवर्ट करना अनिवार्य हो, तो उसकी सूचना समय रहते जनता तक पहुंचाई जाए। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के बीच सटीक तालमेल बिठाया जाए। बैरिकेडिंग व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाए ताकि शहर की रफ्तार न थमे। इसके बाद उन्होंने इस मामले में मातहतों संग बैठक की। इस दौरान एसपी सिटी प्रमोद कुमार भी शामिल रहे। शिवरात्रि पर टपकेश्वर में सुरक्षा का जायजा एसएसपी ने महाशिवरात्रि के पर्व पर टपकेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर वहां सुरक्षा का जायजा लिया। एसएसपी डोबाल ने महादेव का जलाभिषेक कर जिले की सुख–समृद्धि की कामना की। भारी भीड़ को देखते हुए ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को पूरी सजगता और विनम्रता के साथ व्यवहार करने को कहा।

शादी से पहले पुराने दोस्त ने युवती को दी निजी फोटो

देहरादून। शादी की तैयारियों के बीच एक युवती को उसके पूर्व दोस्त ने निजी वायरल करने की धमकी दी है। आरोपी है कि वह शादी तुड़वाने के इरादे से यह हरकत कर रहा है। पीड़िता की शिकायत पर रविवार को पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने हरियाणा निवासी आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर पटेलनगर सीबीएस अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र की 24 वर्षीय युवती ने तहरीर दी। बताया कि उसकी दोस्ती पूर्व में हरियाणा के सिरसा जिले के पन्नीवाला मोटा निवासी सुनील पुत्र बलबीर सिंह से थी। आरोप है कि दोस्ती के दौरान आरोपी ने युवती के कुछ निजी फोटो हासिल कर लिए थे। अब इन तस्वीरों का हवाला देकर वह युवती को लगातार ब्लैकमेल कर रहा है। युवती की शादी तय हो चुकी है। आरोपी अब उसकी शादी तुड़वाने पर आमादा है और लगातार पीछा कर मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी सुनील उसे सोशल मीडिया पर फोटो वायरल करने की धमकी दे रहा है। इतना ही नहीं, वह युवती के परिजनों और दोस्तों को फोन कर अनर्गल बातें कर रहा है। ऐसे में शादी की तैयारियों के बीच पीड़िता मानसिक तनाव में आ गई है। डर है कि वर पक्ष को पता लग गाया तो शादी टूट जाएगी। इंस्पेक्टर अधिकारी ने बताया कि आरोपी सुनील के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ब्रिटिश संसद से दून के डॉ. जखमोला को मिला बुलावा

देहरादून। दून के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. गौतम प्रसाद जखमोला को लंदन स्थित ब्रिटिश संसद में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित होलिस्टिक मेडिसिन कॉन्फ्रेंस 2026 में बतौर विशिष्ट अतिथि आमंत्रित किया गया है। आगामी 10 अप्रैल 2026 को होने वाले इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का नेतृत्व द 1928 इंस्टीट्यूट और इंडिया ऑल–पार्टी पार्लियामेंट्री ग्रुप कर रहा है। डॉ. जखमोला को यह निमंत्रण होम्योपैथी और होलिस्टिक मेडिसिन के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट शोध व सेवाओं के लिए मिला है। वह ब्रिटिश सांसद शिवानी राजा, बैरोनेस वर्मा और लॉर्ड रवल जैसी अंतरराष्ट्रीय हस्तियों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के भविष्य पर विचार साझा करेंगे।

गलत दिशा से आ रही बाइक ने युवक को मारी टक्कर

देहरादून।जीएमएस रोड पर गलत दिशा से आ रहे एक बाइक सवार ने स्कूटी सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी।

बीते नौ फरवरी को हुए हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसका उपचार अस्पताल के आईसीयू में चल रहा है। सुभाष नगर निवासी जसवीर सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि हादसे में अमनदीप के सिर, चेहरे और पैर पर गंभीर चोटें आई हैं, जबकि हाथ की हड्डी कई जगह से टूट गई है।

मुख्यमंत्री धामी ने किया महाशिवरात्रि मेले का शुभारम्भ

जलाभिषेक किया व पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख–शान्ति, समृद्धि एवं उन्नति की कामना की। इस दौरान उन्होंने कहा की वंखण्डी महादेव मन्दिर में बड़ी संख्या श्रद्धांलुओं का आवागमन होता है, इसीलिए कार्ययोजना बना कर मन्दिर को विकसित किया जायेगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश जोशी, गंभीर सिंह धामी, गोपाल सिंह बिष्ट,

देहरादून। सूबे के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा के वनखंडी महादेव मन्दिर, चकरपुर में आयोजित महाशिवरात्रि मेले का फीता काटकर शुभारम्भ किया व सभी श्रद्धांलुओं एवं प्रदेश वाशियों को महाशिवरात्रि की बधाई व शुभकामनायें दी। माननीय मुख्यमंत्री ने वंखण्डी महादेव मन्दिर में शिवलिंग पर जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति सहित मन्दिर समिति के पदाधिकारी व बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

महंगी बाइक का शौक बना मुसीबत, दून पुलिस ने चोर को दबोचा

देहरादून। डोईवाला क्षेत्र में हुई वाहन चोरी की घटना का दून पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से चोरी की गई बुलेट थंडरबर्ड भी बरामद कर ली गई है। पुलिस के मुताबिक महंगी बाइकों का शौक ही युवक को सलाखों के पीछे ले गया। कोतवाली डोईवाला में 29 जनवरी 2026 को नत्थुवावाला मियांवाला चौक निवासी हितेष बिष्ट ने शिकायत दर्ज कराई थी कि मियांवाला चौक स्थित टेलीफोन एक्सचेंज के सामने से उनकी लाल रंग की बुलेट थंडरबर्ड (यू के 07डीके –7115) अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ली गई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने धारा 303(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया। घटना के खुलासे के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना डोईवाला में पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और संदिग्धों की जानकारी जुटाई। साथ ही मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया। लगातार प्रयासों के बाद 14 फरवरी 2026 को लक्ष्मण सिद्ध मंदिर के पास हर्रावाला क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने चोर को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से चोरी की गई बुलेट बरामद हुई।

राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने टपकेश्वर मंदिर में किया जलाभिषेक

देहरादून। महाशिवरात्रि का पर्व दून शहर में धूमधाम से मनाया गया। हर एक शिवालय में जमकर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। टपकेश्वर महादेव मंदिर में रविवार को राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट जलाभिषेक के लिए पहुंचे। इस तरह अन्य मंदिरों में भी स्थानीय विधायक, श्रद्धालुओं के संग श्रद्धापूर्वक जलाभिषेक को पहुंचे।

महाशिवरात्रि पर जागेश्वर धाम में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

अल्मोड़ा। द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख जागेश्वर धाम में महाशिवरात्रि का पर्व श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। रविवार को देश–विदेश से हजारों श्रद्धालु सुबह से ही मंदिर परिसर में जुटने लगे। तड़के चार बजे से मंदिरों में घंटियों की ध्वनि और हर–हर महादेव के जयकारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। भक्तों ने गंगाजल, बेलपत्र, धतूरा, फूल और चंदन अर्पित कर भगवान शिव का जलाभिषेक किया और परिवार की सुख–समृद्धि की कामना की। पूरे दिन मंदिरों में पूजा–अर्चना और रुद्राभिषेक का क्रम चलता रहा। मंदिर के पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि–विधान से अनुष्ठान संपन्न कराए। जागेश्वर मंदिर के प्रधान पुजारी कैलाशानंद महाराज महामंडलेश्वर ने बताया कि महाशिवरात्रि का दिन भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह से जुड़ा है। इस दिन जागेश्वर धाम में की गई पूजा और रुद्राभिषेक का विशेष महत्व होता है और इसका फल कई गुना अधिक प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि यह स्थल भगवान शिव की तपोभूमि माना जाता है, जहां पूजा–अर्चना का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। महाशिवरात्रि के अवसर पर जागेश्वर धाम में मेले का भी आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय लोगों के साथ बाहर से आए श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मेले में धार्मिक सामग्री, प्रसाद, हस्तशिल्प और स्थानीय व्यंजन आकर्षण का केंद्र रहे। कई श्रद्धालुओं ने भंडारे का आयोजन कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। रात के समय मंदिर परिसर का दृश्य और भी अधिक आध्यात्मिक हो गया। चार पहर की विशेष पूजा के तहत भगवान शिव के 1008 नामों के साथ महारुद्राभिषेक और महाभोग लगाया गया।

सहसपुर में चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार, 30 हजार का माल बरामद

देहरादून। सहसपुर क्षेत्र में पानी की मोटर रिपेयर गोदाम से हुई केबिल चोरी की घटना का दून पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए चोरी किया गया माल बरामद कर लिया। कोतवाली सहसपुर पुलिस के अनुसार, 14 फरवरी 2026 को रामपुर कला निवासी सादिक पुत्र फकीरा ने तहरीर देकर बताया कि शंकरपुर स्थित उत्तराखंड जल संस्थान के मोटर रिपेयर गोदाम से अज्ञात चोरों ने मोटर की केबिल काटकर चोरी कर ली। तहरीर के आधार पर तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसी दिन चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर दो आरोपियों को शंकरपुर–रामपुर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे नशे के आदी हैं और नशे व अन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए चोरी की वारदात को अंजाम दिया। वे चोरी किए गए तार को स्थानीय कबाड़ियों को बेचने की फिराक में थे, लेकिन इससे पहले ही पुलिस के हत्थे चढ़ गए।

अस्पताल में 828 रुपये में दिल की सारी जांचें, बुखार का प्रोफाइल 971 में होगा

देहरादून। दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल में अब मरीजों को अलग–अलग जांचों के लिए भटकना नहीं पड़ेगा और न ही ज्यादा जेब ढीली करनी होगी। निदेशालय के निर्देश पर अस्पताल में पहली बार 'हेल्थ चेकअप पैकेज' सुविधा शुरूहोने जा रही है। इसके तहत महज 610 रुपये में मिनी हेल्थ चेकअप और 971 रुपये में बुखार की पूरी कुंडली (प्रोफाइल) जांची जा सकेगी। वहीं 828 रुपये में दिल की सभी जांचें होगी और 2009 रुपये में कंपलीट हेल्थ चैकअप होगा। निजी लैबों से यहां पर पैकेज में जांच तीन गुना तक सस्ती हो जाएगी। चिकित्सा अधीक्षक (एमएस) डॉ. आरएस बिष्ट ने बताया कि चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ. अजय आर्य के निर्देशों पर शुक्रवार को अस्पताल में इसकी तैयारियां शुरूकर दी गई हैं। पंजीकरण प्रभारी विनोद नैनवाल ने सभी 17 पैकेजों को बिलिंग सिस्टम में अपडेट और दरें निकाल दी है। एमएस ने सीपीआरओ महेंद्र भंडारी, पंजीकरण प्रभारी विनोद नैनवाल और आयुष्मान समन्वयक दिनेश रावत को निर्देश दिए हैं कि वे जल्द से जल्द इसके लिए अलग कक्ष, पंजीकरण और बिलिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करें। लैब से समन्वय बनाकर तकनीशियनों की ड्यूटी लगाने को भी कहा गया है। एक सप्ताह में मिलेगी सुविधा अस्पताल प्रशासन का लक्ष्य है कि एक सप्ताह के भीतर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत और सचिव डॉ. सचिन कुर्वे के हाथों इस योजना का विधिवत शुभारंभ कराया जाए, ताकि आम जनता को सस्ती दरों पर उच्च स्तरीय जांच सुविधा का लाभ मिल सके। ऐसे समझे दून अस्पताल और निजी लैबों में जांच दरों में अंतर पैकेज दून अस्पताल में दर निजी में डर एग्जीक्यूटिव पैकेज (30 वर्ष से अधिक आयु के लिए): 1123 2500 हेल्दी हार्ट पैकेज: 828 1500 पीडियाट्रिक पैनल (बच्चों के लिए) 655 1800 रूटीन हेल्थ प्रोफाइल (मिनी हेल्थ चेक–अप) 610 1150 लिपिड प्रोफाइल ।

महाशिवरात्रि पर्व पर कस्बे से देहात तक हुआ जलाभिषेक

रुड़की। महाशिवरात्रि पर्व पर सीमली मंदिर और खानपुर के जटा महादेव शंकर मंदिर पर तीन दिवसीय मेले की शुरुआत हो गई। जलाभिषेक के बाद बड़ी संख्या में मेलों में पहुंचकर लोगों ने खरीदारी की। इस दौरान पुलिस बल मौजूद रहा। बताते चलें कि रविवार को महाशिवरात्रि पर्व कस्बे से लेकर देहात तक धूमधाम के साथ मनाया गया। सुबह तड़के से ही श्रद्धालु स्नान करने के बाद भगवान शिव के मंदिरों में पहुंचना शुरू हो गए। लक्सर कस्बे के सीमली स्थित मंदिर पर भक्तों ने जल चढ़ाया और क्षेत्र के लोगों की मेले में भारी भीड़ रही। मंदिर के पुजारी अरविंद शर्मा ने बताया कि महाशिवरात्रि पर जलाभिषेक करने का बड़ा ही महत्व है। इसके अलावा खानपुर के महाभारत कालीन स्थित जटा महादेव शंकर मंदिर पर भी लोगों ने जलाभिषेक किया। वहां पर तीन दिवसीय मेले का भी आयोजन हो गया। इस मेले में दूसरे राज्यों के भी श्रद्धालु मंदिर पर प्रसाद चढ़ाने के लिए आते हैं। वहीं प्रलादपुर के शिव हनुमान मंदिर पर भी जलाभिषेक किया गया। पथरी के जंगल में स्थित पथलेश्वर महादेव पर भी जलाभिषेक हुआ। इसके अलावा लक्सर कस्बे के खंड विकास कार्यालय में स्थित प्राचीन शिव मंदिर व शिवपुरी शिव मंदिर पर जलाभिषेक किया गया मंदिर के पुजारी पंडित संदीप भारद्वाज शास्त्री ने बताया कि यहां पर श्रद्धालुओं के साथ–साथ कावड़ियों ने भी जलाभिषेक किया। उधर महाभारत कालीन स्थित पंचलेश्वर पश्चिम मुहानी मंदिर पर भी श्रद्धालुओं ने पहुंच कर जलाभिषेक किया। इसके अलावा कस्बे से लेकर देहात तक स्थित मंदिरों में जलाभिषेक किया गया।

एआई में दक्ष बनें, वरना नौकरी पर संकट

देहरादून। दून यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन स्टडीज़ में "एआई के जमाने में न्यूज और जर्नलिज्म का भविष्य" विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान में पत्रकार राजेश महापात्रा ने मीडिया पेशेवरों को स्पष्ट संदेश दिया किएआई के मास्टर बनें, गुलाम नहीं।

महापात्रा ने कहा कि न्यूजरूम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब वास्तविकता बन चुका है और प्रोडक्शन व डेस्क से जुड़े पत्रकारों को तुरंत अपने कौशल अपडेट करने होंगे, अन्यथा पेशेवर विस्थापन का जोखिम बढ़ेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि एआई डेटा–आधारित रिपोर्टिंग में सहायक है, लेकिन खोजी पत्रकारिता, स्रोत निर्माण और नैतिक निर्णय मानवीय क्षमता ही है। डीन प्रो. राजेश कुमार ने 'स्किल गैप' को सबसे बड़ा खतरा बताया।

प्रो. हर्ष डोभाल ने कहा कि मजबूत बौद्धिक आधार के बिना एआई का सही उपयोग संभव नहीं। कार्यक्रम का संचालन शिवानी खत्री ने किया। मौके पर डॉ.करुणा शर्मा, जूही प्रसाद, डॉ.वंदना नौटियाल, पियाशी हिमानी मौजूद रही।

चंद्रशेखर आर घोड़के ने संभाली वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा की जिम्मेदारी

अल्मोड़ा। रविवार को चंद्रशेखर आर. घोड़के (आईपीएस) ने जनपद अल्मोड़ा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। जनपद पहुंचने पर उन्होंने पुलिस कार्यालय में सलामी लेने के बाद विधिवत रूप से पदभार संभाला।

इससे पूर्व वह बागेश्वर में पुलिस अधीक्षक तथा ऊधमसिंह नगर में अपराध एवं यातायात के पुलिस अधीक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने जिले के वरिष्ठ अधिकारियों से परिचयात्मक बैठक की और इसके बाद मीडिया से पहली औपचारिक बातचीत करते हुए अपनी प्राथमिकताएं साझा कीं। उन्होंने कहा कि जनपद में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना, यातायात व्यवस्था में सुधार, साइबर अपराधों पर नियंत्रण और महिला सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता में शामिल रहेगा। उन्होंने विशेष रूप से नशे के खिलाफ अभियान को प्रभावी ढंग से चलाने पर जोर देते हुए कहा कि युवाओं को नशे से बचाना और नशे की गिरफ्त में आ चुके युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ना जरूरी है। इसके लिए जनजागरूकता अभियानों को भी व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि टीम वर्क के माध्यम से अपराध नियंत्रण को और प्रभावी बनाया जाएगा और पुलिस व्यवस्था को अधिक जवाबदेह एवं जनहितकारी बनाने के लिए प्रयास किए जाएंगे।

डीजीपी के निर्देश पर उत्तराखंड में सघन सत्यापन अभियान, संदिग्धों पर कड़ी कार्रवाई

देहरादून। प्रदेश में कानून–व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से उत्तराखंड पुलिस ने व्यापक सत्यापन अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ के निर्देश पर यह विशेष अभियान पूरे राज्य में सर्किल, थाना और चौकी स्तर पर संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत संदिग्ध व्यक्तियों, अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों और बाहरी तत्वों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अभियान के अंतर्गत मल्टी स्टोरी अपार्टमेंट, आश्रम, धर्मशालाएं, किराये के मकान, फ्लैट, पीजी, होम–स्टे, होटल और गेस्ट हाउस में रह रहे लोगों का सत्यापन किया जाएगा। प्रॉपर्टी डीलर, रियल एस्टेट एजेंट और ब्रोकरों की भी जांच होगी। बिना पुलिस सत्यापन किरायेदारी कराने या संदिग्ध व्यक्तियों को आश्रय देने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

होम डिलीवरी सेवाओं, ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जुड़े डिलीवरी एजेंट, सिक्योरिटी एजेंसी स्टाफ, कैब चालक और इंडस्ट्रियल एरिया में काम करने वाले ठेकेदारों का विशेष सत्यापन होगा। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जुड़े कर्मियों की पहचान और रिकॉर्ड की जांच को प्राथमिकता दी जाएगी। संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान के लिए आधुनिक तकनीकी साधनों और केंद्रीय डाटाबेस का उपयोग किया जाएगा। केंद्रीय सुरक्षा पोर्टलों के माध्यम से डेटा मिलान और विश्लेषण कर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों, घुसपैठियों, बांग्लादेशी नागरिकों तथा वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी ठहरे विदेशी नागरिकों की पहचान कर उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

रिहायशी क्षेत्रों, मॉल, कोचिंग संस्थान, जिम, स्कूल, विश्वविद्यालय और अन्य प्रतिष्ठानों में हाई रेजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की जांच की जाएगी।

तीन पिल्लों को पटक–पटककर मारने के आरोपी पर मुकदमा

देहरादून। प्रेमनगर थाना क्षेत्र के बिधौली में एक व्यक्ति ने गुस्से में आकर बेजुबान पिल्लों पर कहर बरपाया। आरोप है कि उक्त व्यक्ति ने गली में रहने वाली एक कुतिया के तीन नवजात पिल्लों को जमीन पर पटक–पटककर मार डाला। इस हृदयविदारक घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसओ प्रेमनगर कुंदन राम ने बताया कि घटना 14 फरवरी की शाम की है। पुलिस को दी गई शिकायत में बिधौली निवासी परीक्षा तोमर और प्रीति टंडन ने बताया कि उनके पड़ोस में एक गली की कुतिया ने हाल ही में छह बच्चों को जन्म दिया था। शनिवार की शाम उनके पड़ोस में रहने वाले महावीर सजवान ने जानबूझकर तीन पिल्लों को उठाया और उन्हें बेरहमी से जमीन पर पटकना शुरू कर दिया। इस हमले में तीनों पिल्लों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के वक्त मौके पर मौजूद लोगों ने जब देखा तो अन्य पिल्ले बचाए। तब परीक्षा तोमर और प्रीति टंडन तुरंत बिधौली पुलिस चौकी पहुंचीं और लिखित शिकायत दी।

ओगाशी माई को सर्वश्रेष्ठ पांच कहानियों में स्थान

विकासनगर। स्वथान संस्था द्वारा आयोजित ऑनलाइन कहानी प्रतियोगिता में चकराता ब्लाक के लोहारी गांव की कवि ललिता राणा की कहानी ओगाशी माई को टॉप–5 में स्थान मिला है। दिल्ली में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में उन्हें प्रमाण पत्र और चेक भेंट किया गया।

महाशिवरात्रि में शिवालयों में श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

ऋषिकेश। ऋषिकेश में महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया गया। श्रद्धालुओं ने शिवालयों में जलाभिषेक किया और गंगा घाटों पर स्नान किया। चंद्रेश्वर महादेव, वीरभद्र महादेव सहित कई मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। मेले में झूले और स्वादिष्ट व्यंजनों का भी आनंद लिया गया।

महाशिवरात्रि में शिवालयों में श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

तीर्थनगरी ऋषिकेश में रविवार को महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया गया। क्षेत्र के शिवालयों में महाशिवरात्रि पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। रविवार को दिनभर शिवालयों में घंटियों और शंख की ध्वनि के बीच हर–हर महादेव और बम–बम भोले के जयकारे गूंजते रहे। ऋषिकेश में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर रविवार सुबह से ही

शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती दिखी। घंटियों और शंख की ध्वनि के बीच बम बम भोले के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंजायमान हो उठा। शिवर मंदिरों में सुबह से ही शिव भक्त की लाइन में लगे रहे। ऋषिकेश के चंद्रेश्वर महादेव मंदिर, वीरभद्र महादेव मंदिर, सोमेश्वर महादेव मंदिर सहित अन्य शिवालयों में श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए लंबी लाइनों में लगे रहे और अपनी अपनी बारी कर इंतजार करते दिखे। शिव भक्तों ने भांग, धतूरा, बेल पत्र, फल और पूजा सामग्री से भगवान शिव की पूजा अर्चना और जलाभिषेक किया। इस दौरान तमाम मंदिरों व आसपास के क्षेत्र में माहौल भक्तिमय बना रहा। जलाभिषेक कर भक्तों ने भगवान शिव से अपने परिवार के लिए सुख–समृद्धि की कामना की।

महाशिवरात्रि पर गंगा स्नान को उमड़े श्रद्धालु

महाशिवरात्रि को लेकर तीर्थनगरी ऋषिकेश के तमाम गंगा घाटों में गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। रविवार तड़के से दोपहर तक गंगा घाटों में श्रद्धालु स्नान करते दिखे। ऋषिकेश का त्रिवेणी घाट, नाव घाट, रामानंद घाट, दत्तात्रेय घाट, साईं घाट, 72 सीढ़ी घाट, मुनिकीरेती का दयानंद घाट, पूर्णानंद घाट, शत्रुघ्न घाट, स्वर्गाश्रम जोंक का सीता घाट, राम घाट आदि जगहों पर श्रद्धालुओं की भीड़ दिनभर दिखी। गंगा स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं ने शिवालयों में पहुंचकर पूजा अर्चना की।

मेले में झूले और स्वादिष्ट व्यंजनों का उठाया लुत्फ

महाशिवरात्रि पर्व को लेकर वीरभद्र महादेव मंदिर के समक्ष मैदान में मेले का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के झूले, खिलौनों और स्वादिष्ट व्यंजनो की दुकानें लगी। क्षेत्र के लोगों व बच्चों ने मेले में पहुंचकर वहां लगे झूले का आनंद उठाया।

इसके अलावा बच्चे खेल सामग्री खरीदते दिखे। कई लोग ने फास्ट फूड व अन्य व्यंजनों की दुकान में स्वाद चखते और लुत्फ उठाते दिखे।

रुड़की में युवा कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना

रुड़की। रुड़की में रविवार को युवा कांग्रेस की बैठक में प्रदेश प्रभारी हरनीत बराड़ ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आगामी आंदोलन की रणनीति साझा की और कार्यकर्ताओं से लोकभवन कूच में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की। रविवार को आयोजित बैठक युकां कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सचिन चौधरी ने कहा कि आज उत्तराखंड का युवा, किसान और बेरोजगार पूरी तरह से परेशान है। मौके पर अफजल मुंतजिर, शिवाकांत, मनीष परमार, मोहित, अंकित, शाहबाज, हर्षवर्धन, गुलफाम, सौरभ सैनी, समद गुलिस्तान, सहरवान, दानिश, कलीम अयान आदि कार्यकर्ता और युवा उपस्थित रहे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com